रीवा
09 अक्टूबर 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पृथ्वी शॉ फिर विवादों...
@ पेज 7

हिमाचल में एकसाथ जलीं परिवार के 4 सदस्य की चिताएं

घायल शौर्य ने मुखाग्नि दी; 2 चचेरे भाई, मां और चाची को बस हादसे में खोया

बिलासपुर,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में बुधवार को (8 अक्टूबर) एक घर से 4 अर्थियां एक साथ उठीं। बस हादसे में एक ही परिवार के 2 बच्चों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 2 सगे भाई और देवरानी-जेठानी शामिल है, जबकि इसी परिवार के दो बच्चे शौर्य और आरुषि गंभीर रूप से घायल हुए।इन चारों की चिताएं को बस हादसे में घायल शौर्य ने मुखाग्नि दी। एम्स अस्पताल में उपचाराधीन शौर्य अपने पिता के साथ श्मशान घाट पहुंचा। यहां पर उसने अपने दो चचेरे भाइयों, मां और चाची को मुखाग्नि दी। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। पीछे छूट गए परिजनों व रिश्तेदारों का रो रोकर बुरा हाल है।

अंजना के मायके गया था परिवार: दरअसल, झंडुता विधानसभा के फगोग गांव की अंजना देवी (29) मंगलवार सुबह अपने मायके गंगलोह गांव के एक फंक्शन में शामिल होने गईं। वह, अपने साथ बेटे, नक्ष 7 साल व आरव 4 साल, जेठानी कमलेश (26) और उसकी बेटी आरुषि और बेटे शौर्य को साथ लेकर गई।

अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रक ने यात्री बस को मारी टक्कर, एक दर्जन यात्री घायल

बीजापुर,एजेंसी। जिले के जगला थाना इलाके में नेशनल हाइवे 63 पर भैरमगढ़ और बरदेला के बीच बुधवार दोपहर में एक यात्री बस को अनियंत्रित ट्रक की जोरदार टक्कर से बस सड़क किनारे जाकर पलट गई। इस हादसे में एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हुए हैं, इस दौरान बस में कई महिलाओं के साथ उनके छोटे बच्चे भी सवार थे।

मिली जानकारी के अनुसार जय भवानी यात्री बस बीजापुर से जगदलपुर की ओर जा रही थी। भैरमगढ़ के बरदेला मोड़ के पास आ रही ट्रक और बस में भिड़त हो गई। बस में सवार एक दर्जन से अधिक लोग इस हादसा में घायल हो गए। मौके से प्रशासन को सूचना के बाद डॉक्टर की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई, घायलों को भैरमगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और जिला अस्पताल बीजापुर के लिए रवाना किया गया है।

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में आग, छह की मौत

शव पूरी तरह जले, कई घायल; ष्टरूने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए

रायवरम, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के रायवरम में बुधवार को एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इसके बाद धमाके भी हुए। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है।

SP राहुल मीणा ने बताया कि पटाखा फैक्ट्री में लापरवाही के कारण हादसे की आशंका है। पटाखा फैक्ट्री के पास मैन्युफैक्चरिंग का लाइसेंस था। स्थानीय

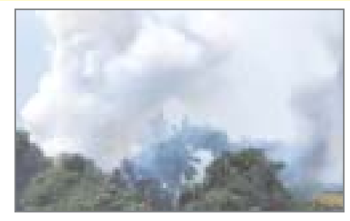

मीडिया रिपोर्ट्स में पटाखा बनाने के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका की खबरें हैं।

घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में पूरी फैक्ट्री आग की लपटों से घिरी दिखी। एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति का शव पूरी तरह जला हुआ पड़ा है। वहीं, दूर से रिकॉर्ड किए एक वीडियो में फैक्ट्री से धुएं का गुबार काफी ऊंचाई तक उठता हुआ दिखा। इस दौरान कई धमाके भी हुए।

CM चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं। इस दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने की खबर से गहरा दुख हुआ है।

मोदी बोले-भारत कभी 2G के लिए जूझता था :आज सभी जिलों में 5G कनेक्टिविटी

vGB डेटा की कीमत एक कप चाय से भी कम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (IMC) 2025 के 9वें एडिशन का उद्घाटन किया। यह एशिया का सबसे बड़ा टेलीकॉम, मीडिया और टेक्नोलॉजी इवेंट है। क्क्रू ने कार्यक्रम को संबोधित भी किया।

उन्होंने कहा- जब मैंने मेक इन इंडिया की बात कही थी तो कुछ लोग इसका मजाक उड़ाते थे। उन्हें जवाब मिल गया है। जो देश कभी 2जी को लेकर स्ट्रगल करता था, आज उसी देश के सभी जिले में 5जी पहुंच गया है। आज भारत में 1त्नक्र वायरलेस डेटा की कीमत एक कप चाय से भी कम है।

PM ने कहा-भारत ने मेड इन इंडिया 4G स्टैक लॉन्च किया है। अब भारत उन 5 देशों की लिस्ट में आ गया है, जिनके पास यह क्षमता है। पूरी दुनिया भारत की क्षमता को पहचान रही है।

पीएम मोदी के भाषण की 3 बड़ी बातें...

भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश है। नई जेनरेशन बहुत बड़े लेवल पर स्कील्ड बनाई जा रही है। हमारे पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम और दूसरा सबसे बड़ा 5G मार्केट है। इसके साथ-साथ, हमारे पास मैनपॉवर, मोबिलिटी और माइंडसेट भी हैं। हम देश में साइबर सिक्योरिटी को भी उतनी ही प्राथमिकता दे रहे हैं। साइबर फ्रॉड के खिलाफ कानून सख्त किए गए हैं। जवाबदेही तय की गई है। शिकायत निवारण तंत्र में भी सुधार किया गया है। इंडस्ट्री और कंज्यूमर दोनों को इसका बहुत फायदा मिल रहा है।

सिंधिया बोले :टेक्नोलॉजी फॉलो करने वाला भारत आज सबसे आगे

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा-आज हमारी दूरसंचार क्रांति चार डी पर आधारित है - डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिजिटल फर्स्ट और डिलीवरी। 2014 में 1GB डेटा की कीमत 287 हुआ करती थी। आज उसी 1GB डेटा की कीमत केवल 9.11 है।सिंधिया ने कहा- यह सिर्फ दूरसंचार क्रांति नहीं है।

150 से ज्यादा देशों से 1.5 लाख से ज्यादा स्पीकर्स शामिल होंगे

इंडियन मोबाइल कांग्रेस 8 से 11 अक्टूबर तक चलेगी। इसमें देश-विदेश की कंपनियां, स्टार्टअप्स और विशेषज्ञ नई तकनीकों को पेश करेंगे। इसमें भारत, कनाडा, जापान, ब्रिटेन, रूस सहित 150 से ज्यादा देशों से 1.5 लाख से ज्यादा स्पीकर्स, 7000 से ज्यादा ग्लोबल डेलिगेट्स और 400 से ज्यादा कंपनियां भाग लेंगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि इस कार्यक्रम को डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन (DoT) और सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (COAI) ने संयुक्त रूप से आयोजित किया है।

इवेंट में 6जी, AI और साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर चर्चा होगी

इस बार इंडिया मोबाइल कांग्रेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशन, सेमीकंडक्टर्स इन टेलीकॉम, क्वांटम कम्युनिकेशन, 6जी और फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर्स पर केंद्रित होगा, जो अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी, डिजिटल संप्रभुता, साइबर फ्रॉड की रोकथाम और ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडरशिप में भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं को दर्शाता है। IMC 2025 में 1,600 से ज्यादा नई तकनीकी उपयोगिताएं पेश की जाएंगी, जो 5जी/6जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट मोबिलिटी, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों से जुड़ी होंगी।

एयरफोर्स चीफ बोले : पाकिस्तान को 4 दिन में धूल चटाई

योजना और दृढ़ निश्चय से क्या हासिल कर सकते हैं

गाजियाबाद,एजेंसी। भारतीय वायुसेना का 93वां वायुसेना दिवस गाजियाबाद के हिंडन स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर मनाया जा रहा है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने शत्रु पर सिर्फ चार दिनों में विजय प्राप्त की।उन्होंने कहा-ऑपरेशन सिंदूर में हमारा प्रदर्शन हमें पेशेवर गौरव से भर देता है। ऑपरेशन सिंदूर इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि सावधानी के साथ योजना बनाकर, अनुशासन के साथ ट्रेनिंग

और दृढ़ निश्चय के साथ क्या हासिल किया जा सकता है। स्वदेशी हथियारों ने दुश्मन के इलाके में अंदर तक सटीक प्रहार किए।

ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने रानी मुखर्जी के साथ फिल्म देखी

नई दिल्ली ,एजेंसी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने बुधवार को मुंबई में बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ फिल्म देखी। उन्होंने यशराज स्टूडियो का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सीईओ अक्षय विधानी से भी मुलाकात की। उन्होंने कौन सी फिल्म देखी इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। स्टार्मर आज ही मुंबई पहुंचे हैं। 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा है। उनके साथ व्यापार, संस्कृति और दूसरे क्षेत्रों के 100 से अधिक लोगों का एक डेलिगेशन भी आया है, जिसमें आईटी, ऑटो-मोबाइल सहित कई क्षेत्रों के कारोबारी भी शामिल हैं।

यात्रीगण ध्यान दें! रेलवे देने जा रहा बड़ी सौगात

यात्री अब बदल सकेंगे कंफर्म टिकट की भी तारीख

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे ने यात्रियों को बड़ी सहूलियत देने वाला फैसला लिया है। इस फैसले से उन यात्रियों को राहत मिलेगी, जिनका ट्रैवेल प्लान आखिरी वक्त में बदल जाता है। ऐसे यात्री कंफर्म टिकट की तारीखों में बदलाव करके यात्रा कर सकते हैं। रेलवे इसके लिए नई पॉलिसी लेकर आ रहा है। बता दें कि अभी तक कंफर्म टिकट की तारीखों में बदलाव की गुंजाइश नहीं थी। इससे यात्रियों को दोहरा नुकसान उठाना पड़ता था। पहले तो कंफर्म टिकट कैंसिल कराने में पैसे कट जाते थे। इसके अलावा इस बात की भी गुंजाइश बहुत कम रहती थी कि अगली तारीख का टिकट कंफर्म ही मिलेगा। अभी तक कंफर्म टिकटों की तारीख बदलने का नियम नहीं है। अभी के नियमों के मुताबिक जिस दिन यात्रा करनी है, उसके 48 से 12 घंटे पहले अगर टिकट रद्द कराया जाता है तो किराए की 25 फीसदी राशि कट जाती है। यह समय जैसे-जैसे कम होता जाता है, कैंसिलेशन फीस बढ़ती जाती है। अगर चार्ट तैयार हो गया है तब तो टिकट का पूरा पैसा

ही कट जाता है लेकिन रेलवे का नया नियम लागू होने के बाद ऐसा नहीं होगा। नए नियम लागू होने के बाद रेलवे के कंफर्म टिकटों को भी री-शिड्यूल किया जा सकेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में जानकारी दी है। इसे उदाहरण से समझें। मान लीजिए किसी यात्री को 25 अक्टूबर को यात्रा करनी है लेकिन किसी वजह से उसे अपनी यात्रा की तारीख बदलनी पड़ती है। अब मान लीजिए उसे 30 अक्टूबर को यात्रा करनी है। इसके लिए यात्री अपने कंफर्म टिकट की तारीख में ऑनलाइन बदलाव कर सकता है। नई व्यवस्था जनवरी 2026 से लागू होगी। हालांकि इसमें एक पेच भी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि जिस डेट में यात्री को जाना है, उस डेट की कंफर्म टिकट ही उसको मिले। टिकट का कंफर्मेशन इस बात पर निर्भर करेगा कि उस डेट में सीट उपलब्ध है या नहीं।

सिंगर जुबीन गर्ग मौत केस में चचेरा भाई गिरफ्तार

हादसे के समय जुबीन के साथ मौजूद था, अभी असम पुलिस मे´ DSP

गुवाहाटी,एजेंसी। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में बुधवार को असम पुलिस के DSP संदीपन गर्ग को अरेस्ट किया गया है। संदीपन, सिंगर के चचेरे भाई हैं। हादसे के वक्त वह सिंगापुर में साथ थे।

अधिकारी ने बताया कि संदीपन से जुबीन की मौत के सिलसिले में पिछले कुछ दिनों से पूछताछ की जा रही है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, आपराधिक षडयंत्र और लापरवाही से मौत का कारण बनने का केस दर्ज किया गया है।

जुबीन की मौत के मामले में यह पांचवीं गिरफ्तारी है। इससे पहले, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और उनके दो बैंड सदस्यों - शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रभा महंत को अरेस्ट किया गया था।जुबीन गर्ग का निधन सिंगापुर में 19 सितंबर को हुआ था।

बैंडमेट गोस्वामी के 4 दावे...

हम सभी 19 सितंबर को समुद्र में एक याट पर गए थे। शर्मा के कंट्रोल में लेने के बाद याट समुद्र में खतरनाक तरीके से हिलने लगी थी।। सभी की जान जोखिम में पड़ गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि शर्मा ने असम एसोसिएशन (सिंगापुर) के सदस्य और NRI तन्मॉय फुकन को ड्रिंक की व्यवस्था न करने को कहा और खुद ही सभी ड्रिंक्स देने की बात कही। जब जुबीन को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी और वो लगभग डूब रहे थे, तब शर्मा चिल्लाते हुए सुने गए, जाबो दे, जाबो दे (जाने दो, जाने दो)।

4 अक्टूबर : गिरफ्तार हुए साथी का दावा, जहर दिया गया था
सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार उनके बैंडमेट (साथी सिंगर) शेखर ज्योति गोस्वामी ने 4 अक्टूबर को दावा किया था कि सिंगर के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और इवेंट ऑर्गनाइजर श्यामकनु महंत ने उन्हें जहर दिया था। दोनों ने हत्या को हादसा दिखाने की साजिश रची थी।

साठ करोड़ जमा करें तभी जा पाएंगी विदेश

फ्रॉड केस में शिल्पा शेट्टी पर हाईकोर्ट का पारा 'हाई'

मुंबई, एजेंसी। शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा यदि विदेश जाना चाहते हैं तो उन्हें पहले 60 करोड़ रुपये की रकम जमा करनी होगी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने यह आदेश दिया है। शिल्पा शेट्टी और उनके पति ने अदालत से कहा था कि वे अमेरिका के लॉस एंजिलिस एवं अन्य देश जाना चाहते हैं। इस पर अदालत ने कहा कि उनके जाने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पहले 60 करोड़ रुपये जमा करने होंगे। दरअसल दंपति पर आरोप है कि उन्होंने एक कारोबारी से 60 करोड़ रुपये लिए और उसे नहीं लौटाया। कारोबारी दीपक कोठारी का आरोप है कि शिल्पा और राज कुंद्रा ने उनसे कारोबार के नाम पर यह रकम ली, लेकिन इसे अपने निजी खर्च में इस्तेमाल किया। शिल्पा शेट्टी के घर सोमवार को ही पूछताछ हुई थी।

सेंट्रल जेल में सोनम वांगचुक से मिली पत्नी

गीतांजलि ने कहा- डिटेंशन ऑर्डर को देंगे चुनौती; वकील भी साथ में थे

जोधपुर, एजेंसी। सेंट्रल जेल में बंद सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से मंगलवार रात पत्नी गीतांजलि अंगमो ने मुलाकात की। उनके साथ वकील रितम खरे भी थे। गीतांजलि ने अपने पति की रिहाई की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। जिस पर 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी।

गीतांजलि ने सोनम वांगचुक से मुलाकात के बाद बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा। आज रितम खरे के साथ वांगचुक से मुलाकात की। डिटेंशन ऑर्डर हासिल किया, जिसे हम कानूनी रूप से चुनौती देंगे। इस डॉक्युमेंट में वांगचुक पर लगाए गए सभी आरोपों और एनएसए लगाने के कारणों का उल्लेख है। अब कानूनी टीम इस आदेश को कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी में जुट गई है।

लेह से गिरफ्तार कर जोधपुर लेकर आए थे

लद्दाख में 24 सितंबर को छठी अनुसूची का दर्जा और राज्य का दर्जा मांगने वाले विरोध-प्रदर्शन के दौरान भीषण हिंसा हुई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। 24 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत हिरासत में लिया गया था।पुलिस का आरोप था कि वांगचुक ने युवाओं को भड़काया और विवादित बयान दिए, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी।

5 अक्टूबर को कोर्ट ने सरकार को नोटिस किया था जारी

गीतांजलि अंगमो ने 2 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अपने पति की तत्काल रिहाई की मांग की थी। याचिका में कहा था- वांगचुक की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है और उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया गया है। उनकी ओर से सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने दलील रखी थी। सिब्बल ने कहा था कि परिवार को हिरासत का कारण नहीं बताया गया है। पत्नी को मिलने की अनुमति भी नहीं दी गई। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने 5 अक्टूबर को केंद्र सरकार, लद्दाख प्रशासन और जोधपुर सेंट्रल जेल अधीक्षक को नोटिस जारी किया था।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद पत्नी ने क्या पोस्ट की थी

क्या भारत सचमुच आजाद है। 1857 में 24,000 अंग्रेजों ने महारानी के आदेश पर 30 करोड़ भारतीयों पर अत्याचार करने के लिए 1.35 लाख भारतीय सिपाहियों का इस्तेमाल किया था। आज, गृह मंत्रालय के आदेश पर, एक दर्जन प्रशासक 2400 लद्दाखी पुलिस का दुरुपयोग करके 3 लाख लद्दाखियों पर अत्याचार कर रहे हैं।

राजधानी में हर घंटे खराब हो रही हैं डीटीसी की पांच बसें, विभाग ने गिनाए रोकने के कई प्रयास

दिल्ली, एजेंसी । राजधानी में डीटीसी की हालत ऐसी है कि हर घंटे में पांच बसें सड़क पर खराब हो रही हैं। हर दिन 112 से अधिक बसें सड़क पर खराब हुई हैं। 2023 और 2024 के बीच कुल 81,869 बसों के ब्रेकडाउन के मामले दर्ज हुए। यह संख्या राजधानी में सार्वजनिक परिवहन की तकनीकी और प्रबंधन स्थिति पर गंभीर सवाल उठाती है। साल 2025 के शुरुआती सात महीनों में ही 21,123 बसें खराब हुईं। उत्तर क्षेत्र के डिपो ने सबसे अधिक शिकायतें दर्ज कराईं।

इस क्षेत्र में 8,598 बसें जनवरी से जुलाई तक खराब हुईं। रोहिणी डिपो-4 में इस साल 1,008 बसों के खराब होने के मामले सामने आए, जो 2023 में 1,824 और 2024 में 1,249 रहे थे। वहीं रोहिणी सेक्टर-37 डिपो में इस साल जनवरी से जुलाई तक 3,014 बसें खराब हुई, जबकि 2023 में यह संख्या 686 और 2024 में 1,007 थी। नरेला डिपो में 2025 में 3,260 बसें खराब हुई, जबकि पिछले दो वर्षों में क्रमशः 3,140 और 2,970 मामले दर्ज हुए।

दक्षिणी क्षेत्र में भी हालत खराब: दक्षिणी क्षेत्र में 8,510 बस ब्रेकडाउन हुए। ओखला डिपो में 2,308 बसें इस साल जनवरी-जुलाई के बीच सड़क पर रुक गई। यह डिपो पिछले साल ही शुरू हुआ था और पहले ही वर्ष में 3,514 बसों के खराब होने के मामले सामने आए थे। सरोजिनी नगर डिपो में 2025 में 2,139 बसें, 2024 में 3,465 और 2023 में 3,600 बसें खराब हुई। वहीं पूर्वी क्षेत्र के राजघाट डिपो-2 में इस साल अब तक 1,049 शिकायतें मिली हैं। यह संख्या 2023 में 222 और 2024 में 480 थी।

हालांकि राजघाट डिपो-1 में कमी देखी गई, यहां इस साल 642 बसें खराब हुई, जबकि पिछले वर्षों में क्रमशः 1,700 और 1,119 मामले सामने आए थे। पश्चिमी क्षेत्र दो डिपो मूंधेला कलां इस साल 467 बसें खराब हुई, जबकि 2023 में 391 और 2024 में 433। वहीं द्वारका सेक्टर-8 डिपो में 2025 में 1,128 बसें खराब हुई, जबकि पिछले दो वर्षों में यह आंकड़ा 2,261 और 2,212 था।

खराबी रोकने के प्रयास: डीटीसी के अधिकारियों ने बताया कि बसों के ब्रेकडाउन की घटनाओं को कम करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। 15 मिनट में खराब बस को हटाने के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार किया गया है। इसके तहत 30 स्थानों पर क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात की गई हैं और 24 घंटे का कंट्रोल रूम बनाया गया है ताकि ट्रैफिक बाधा कम हो। सीएनजी बसों में खराबी की वजहों की जांच और समाधान के लिए प्रीवेंटीव मेंटेनेंस प्रोग्राम मजबूत किया गया है।

ट्रांसजेंडर आरक्षण में देरी पर हाईकोर्ट नाराज, उदासीनता को लेकर केंद्र-दिल्ली सरकार के लिए कड़ी फटकार

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को ट्रांसजेंडर समुदाय को आरक्षण में देरी पर कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि 2014 के सुप्रीम कोर्ट के एनएएलएसए (नालसा) फैसले के बावजूद सार्वजनिक नौकरियों में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए आरक्षण नीति लागू करने में देरी हो रही है। इस मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने सरकार की उदासीनता पर नाराजगी जताई और याचिका को जनहित याचिका में बदल दिया। अगली सुनवाई 19 नवंबर को होगी।

एक ट्रांसजेंडर ने दिल्ली हाईकोर्ट में कोर्ट अटेंडेंट की भर्ती के लिए दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसबी) की ओर से जारी विज्ञापन को चुनौती दी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि विज्ञापन में ट्रांसजेंडरों के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं किया गया, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है।सुनवाई के दौरान पता चला कि दिल्ली सरकार ने 2021 में उम्र और योग्यता अंक में छूट देने की अधिसूचना जारी की थी, लेकिन इसे नौकरी के विज्ञापन में लागू नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय की समाज में समावेश और प्रभावी भागीदारी के लिए सरकार को इस दिशा में नीतिगत निर्णय लेना चाहिए था, जैसा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) फैसले में अनिवार्य किया गया था। कोर्ट ने नोट किया कि 2014 के फैसले के बाद भी सार्वजनिक नौकरियों में आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए हैं।

10 दिनों के अंदर फैसला ले सरकार: कोर्ट ने दिल्ली सरकार को 10 दिनों के भीतर डीएसएसबी विज्ञापन के तहत ट्रांसजेंडरों के लिए आरक्षण और छूट पर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया। साथ ही, अगर उम्र में छूट दी जाती है, तो आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख एक माह बढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिल्ली सरकार के सामाजिक कल्याण विभाग और राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर परिषद को नोटिस जारी किया।

रोहिणी में एमसीडी इंस्पेक्टर की मां की गला घोंटकर हत्या, जान लेने से पहले की मारपीट; मोबाइल फोन गायब

दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी इलाके में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में इंस्पेक्टर की बुजुर्ग मां की गला घोंटकर हत्या कर दी गई है। घर में मृत मिलीं वृद्धा को देखकर लग रहा है कि हत्या से पहले उन्हें पीटा गया है। रोहिणी जिले की विजय विहार थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्जकर लिया है। घर से महिला का सिर्फ मोबाइल फोन गायब है, जेवर आदि सुरक्षित हैं। इसे देखकर पुलिस रंजिशन हत्या की आशंका से भी इन्कार नहीं कर रही है।रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि पुलिस को सात अक्तूबर को सुबह करीब 8ः53 बजे एक महिला की हत्या की सूचना मिली। विजय विहार थानाध्यक्ष यू-41 बुध विहार, फेज-1 पहुंचे तो दिल्ली निवासी करीब 65 वर्षीय नरेश कुमारी पत्नी स्वर्गीय सोमनाथ मृत मिलीं। उनका शव तीन मंजिला मकान में पहली मंजिल पर बेड पर मिला। घर में सभी सामान व्यवस्थित तरीके से रखा था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक घर का दरवाजा बंद था। मंगलवार सुबह जब किराएदार ने गेट पर हल्का धक्का दिया तो दरवाजा खुल गया। किराएदार ने देखा कि वह बेड पर पड़ी थीं तो उसने पुलिस को सूचना दी। पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टरों ने अनौपचारिक रूप से बताया है कि वृद्धा की गला घोंटकर हत्या की गई है।

रोहिणी जोन में तैनात है बड़ा बेटा: रोहिणी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार वृद्धा के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा आशीष एमसीडी में इंस्पेक्टर है और वह रोहिणी जोन में तैनात हैं। छोटा बेटा चंडीगढ़ में रहता है। महिला अपने छोटे बेटे के घर से आने के बाद कुछ दिनों से भूतल पर रह रही थी। ऊपरी दो मंजिलों पर किरायेदार रहते हैं। बड़ा बेटा रोहिणी में ही रहता है। एक बेटी है। वह बेटों के पास रहने के लिए जाती रहती थीं और कभी यहां अकेली रहती थीं।

पुलिस ने घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है, जिसमें कोई संदिग्ध आता और जाता हुआ नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में किसी अंदर के व्यक्ति का हाथ होने की आशंका से पुलिस इन्कार नहीं कर रही है। मामले की जांच के लिए कई टीमें बनाई गई हैं।-राजीव रंजन, पुलिस उपायुक्त, रोहिणी जिला, दिल्ली पुलिस

दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने कम्युनिटिंग पुलिसिंग पर जोर देकर बुजुर्ग और सीनियर सिटीजन से मिलकर उनकी देखभाल करने के लिए मुहिम शुरू की है।

बोल-सुन नहीं सकता हत्यारा

कार से स्कूटी टच होने पर दिव्यांग ने ले ली जान, छाती पर बैठकर मारे कई मुक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पालम इलाके में स्कूटी टच होने पर गुस्साए दिव्यांग आई10 कार चालक ने स्कूटी सवार की पीट पीटकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त साध नगर निवासी 30 साल के कपिल शर्मा के रूप में हुई। पुलिस ने चश्मदीद के लिए गए कार के फोटो के जरिए आरोपी की पहचान साध नगर निवासी करण अरोड़ा के रूप में की और घटना के दो घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी दिव्यांग है और वह बोल और सुन नहीं सकता है। पुलिस आरोपी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

बेहोशी की कॉल पर पहुंची थी पुलिस: दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 4 अक्तूबर की रात 9.30 बजे पालम गांव थाना पुलिस को सूचना मिली कि साध नगर में एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में जमीन पर पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि बेहोश व्यक्ति को लोग इंदिरा गांधी अस्पताल लेकर गए हैं, जबकि उसकी स्कूटी वहीं खड़ी थी। अस्पताल पहुंचने पर पुलिस को पता चला कि डॉक्टरों ने घायल को मृत घोषित कर दिया है। उसकी पहचान कपिल शर्मा के रूप में हुई।

चश्मदीद ने दिखाया फोटो: घटनास्थल पर जांच के दौरान चश्मदीद ने पुलिस को बताया कि स्कूटी सवार को एक कार चालक ने पिटाई की और वह कार समेत मौके से भाग गया। चश्मदीद ने पुलिस को कार का फोटो दिया, जिसे वह भागने के दौरान अपने मोबाइल से लिया था। थाना प्रभारी सुधीर कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार नंबर के जरिए उसके मालिक की पहचान की।

पुलिस ने दुभाषिए की मदद से पूछताछ की: मालिक ने बताया कि घटना के समय कार को उसका साला करण अरोड़ा चला रहा था। टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी को नजफगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बोलने और सुनने में सक्षम नहीं था। पुलिस ने उससे सांकेतिक भाषा दुभाषिए की मदद से पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि गाड़ी टच होने के बाद मृतक से उसका विवाद हो गया।

छाती पर मारे थे कई मुक्के: इस दौरान मृतक ने उसे अपमानजनक इशारे करने लगा। जिससे उसने गुस्से में आकर उसकी छाती पर बेरहमी से कई मुक्के मारे, जिससे वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कार बरामद कर ली है। पुलिस ने बताया कि 24 साल का आरोपी करण साध नगर में रहता है और गुरुग्राम, हरियाणा के एक क्लब में मैनेजर के पद पर कार्यरत है।

दिल्ली से चीन भेजी जा रही लाल चंदन की 10 टन सिल्लियां पकड़ीं, दो गिरफ्तार; माल की कीमत करीब 6 करोड़

दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पूर्व जिले की एसटीएफ ने 10 टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के तार अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े हैं। आरोपियों के कब्जे से जब्त की गई लकड़ियों की कीमत करीब छह करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार चंदन की ये लकड़ियां चीन व अन्य देशों में भेजी जानी थी। दक्षिण-पूर्व पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि चंदन की लकड़ी आंध्र प्रदेश के तिरुपति से तस्करी कर चीन और अन्य दक्षिण एशियाई देशों को भेजने के लिए लाई गई थी। बताया कि यह अभियान अगस्त में तिरुपति से चुराई गई लाल चंदन की लकडियों के बारे में आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा साझा की गई खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किया गया था। डॉ. तिवारी ने बताया कि चोरी के संबंध में तिरुपति में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए कुछ आरोपियों ने खुलासा किया कि चोरी की गई लकडियां दिल्ली ले जाई गई हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और आंध्र प्रदेश खुफिया इकाई की टीम ने सोमवार को तुगलकाबाद स्थित एक गोदाम पर छापा मारा। इस दौरान करीब 9,500 किलोग्राम लाल चंदन की लकडियां बरामद की गईं और दो लोगों हैदराबाद के इरफान और मुंबई के ठाणे के अमित संपत पवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने अगस्त के पहले हफ्ते में आंध्र प्रदेश से लाल चंदन की लकडियां हासिल कीं और उन्हें दिल्ली ले जाने के लिए ट्रकों में छिपा दिया। यह ज़ब्ती दिल्ली में हुई लाल चंदन की सबसे बड़ी बरामदगी में से एक है। आरोपियों ने इस खेप को विदेशी बाजारों विशेष रूप से चीन और दक्षिण एशियाई देशों में भेजने की योजना बनाई थी। वहां लाल चंदन की लकड़ी औषधीय और वाणिज्यिक मूल्य के कारण बहुत ऊंची कीमत पर मिलती है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपियों ने कबूल किया कि वे आंध्र प्रदेश के वन क्षेत्रों से लाल चंदन की लकड़ियां लाते थे और उन्हें ट्रकों में छिपाकर ले जाते थे। बरामद लकड़ियां एक संगठित तस्करी नेटवर्क के ज़रिए अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को भेजी जानी थीं।

एमसीडी की 12 वार्डों में उपचुनाव की तैयारियां शुरू चुनाव आयोग सक्रिय; कई अधिकारियों की तैनाती

दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद एमसीडी के रिक्त 12 वार्डों के उपचुनाव होंगे। इस संबंध में दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने एमसीडी के होने वाले उपचुनाव की तैयारियों को लेकर बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने सभी जिलाधिकारी और संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने-अपने वार्डों की मतगणना और मतदान प्रक्रिया के संबंध में तैयारी शुरू करें। इन वार्डों में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत 11 पार्षदों के विधायक बनने और एक पार्षद कमलजीत सहरावत के दक्षिण दिल्ली से सांसद बनने के कारण रिक्त हुए हैं।छह बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार पिस्टल और छह कारतूस बरामद किए हैं। आयोग इन 12 वार्डों के लिए विधानसभा क्षेत्रों की वही मतदाता सूचियां अपनाएगी जो एक जनवरी 2025 की पात्रता तिथि के आधार पर तैयार की गई थी। वहीं राज्य चुनाव आयुक्त ने आदेश दिया कि रिटर्निंग अधिकारी अपने वार्डों की सीमाओं के अनुसार ड्राफ्ट सूची तैयार कर उसे सार्वजनिक करें। यह सूची नौ अक्तूबर 2025 को प्रकाशित की जाएगी और आम जनता से सुझाव व आपत्तियां 11 अक्तूबर तक ली जाएगी। प्राप्त सुझावों के निस्तारण के बाद अंतिम सूची 13 अक्तूबर तक आयोग को भेजी जाएगी। आयोग ने निर्देश दिया कि सभी मतदान केंद्र ग्राउंड फ्लोर पर ही बनाए जाएं ताकि बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रत्येक केंद्र पर 1500 से अधिक मतदाता न रखे जाएं और मतदान केंद्र का सटीक स्थान, कमरा नंबर, भवन का आगे या पीछे का हिस्सा आदि स्पष्ट रूप से सूची में अंकित किया जाए। सभी रिटर्निंग अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि उनके वार्ड की पूरी सीमा के अंतर्गत मतदान केंद्रों का समुचित कवरेज हो। प्रत्येक वार्ड के लिए मतगणना केंद्र और स्ट्रॉन्ग रूम की पहचान कर उसकी जानकारी 20 अक्तूबर तक आयोग को भेजनी होगी।

उपचुनाव के लिए अधिकारियों की तैनाती की: दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने एमसीडी के उपचुनाव की प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित कराने के लिए कई विभागों के सांख्यिकीय सहायकों की तैनाती तत्काल प्रभाव से कर दी है। उसके आदेश के अनुसार, ये अधिकारी संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों के अधीन काम करेंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि ये सभी अधिकारी तुरंत प्रभाव से अपने-अपने वार्डों में के निर्देशों का पालन करें।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में मुठभेड़, लेफ्टिनेंट कर्नल और मेजर समेत 11 सैन्यकर्मियों की मौत, 19 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों से मुठभेड़ में सेना को भारी नुकसान हुआ है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि इस मुठभेड़ में एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर सहित 11 सैन्यकर्मियों की मौत हो गई। इस मुठभेड़ में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 19 आतंकी भी मारे गए। डान अखबार के अनुसार, आईएसपीआर ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएसपीआर के अनुसार, यह मुठभेड़ खैबर पख्तूनख्वा के ओरकजई जिले में मंगलवार को हुई। इसमें एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर सहित 11 सैन्यकर्मी शहीद हो गए। आईएसपीआर ने कहा कि मुठभेड़ में 19 आतंकी भी मारे गए। गोलीबारी के दौरान 39 वर्षीय लेफ्टिनेंट कर्नल जुनैद आरिफ और 33 वर्षीय मेजर तैय्यब राहत की भी मौत हो गई।

जान गंवाने वाले सैन्यकर्मियों में 38 वर्षीय नायब सूबेदार आजम गुल, 35 वर्षीय नायक आदिल हुसैन, 34 वर्षीय नायक गुल अमीर, 31 वर्षीय लांस नायक शेर खान, 32 वर्षीय लांस नायक तालिश फ़राज, 32 वर्षीय लांस नायक इरशाद हुसैन, 28 वर्षीय सिपाही तुफैल खान, 23 वर्षीय सिपाही आकिब अली और 24 वर्षीय सिपाही मोहम्मद जाहिद भी हैं। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने 19 आतंकवादियों को मार गिराने के लिए देश के सुरक्षा बलों की प्रशंसा करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल आरिफ और मेजर राहत की मौत पर दुख जताया है।

ट्रंप के गुणगान करते नजर आए कनाडा के पीएम कार्नी, भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने का दिया श्रेय

वाशिंगटन ,एजेंसी। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने मंगलवार को भारत और पाकिस्तान के बीच शांति लाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना की। उन्होंने कहा, आप एक परिवर्तनकारी राष्ट्रपति हैं। अर्थव्यवस्था में बदलाव, रक्षा खर्च के लिए नाटो साझेदारों की अभूतपूर्व प्रतिबद्धताएं, भारत, पाकिस्तान से अजरबैजान, आर्मेनिया तक शांति, ईरान को आतंक की ताकत के रूप में अक्षम करने में आपकी अहम भूमिका रही। अप्रैल में प्रधानमंत्री चुने गए कार्नी ने इस साल मई में व्हाइट हाउस का दौरा किया था।

10 मई को जब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान वाशिंगटन की मध्यस्थता में लंबी रात की बातचीत के बाद पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं, तब से उन्होंने लगभग 50 बार अपने दावे को दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को सुलझाने में मदद की है। भारत ने लगातार किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार किया है। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचे को निशाना बनाते हुए सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के चार दिनों के बाद 10 मई को संघर्ष को समाप्त करने के लिए सहमति बनी थी। भारत लगातार कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ शत्रुता समाप्त करने के संबंध में दोनों सेनाओं के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद सहमति बनी है।

अमेरिका में शटडाउन की मार छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों पर, वेतन पर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकारी शटडाउन की मार छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों के वेतन पर पड़ सकती है। इस बात के पूरे आसार हैं कि इन कर्मचारियों को पिछला वेतन नहीं मिल पाएगा। व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि वह छुट्टी पर गए संघीय कर्मचारियों को पिछला वेतन देने से इनकार कर सकता है।सरकारी शटडाउन से उत्पन्न हालात पर अमेरिका के लगभग सभी प्रमुख समाचार माध्यमों में चर्चा की गई है। ऑनलाइन न्यूज पोर्टल पॉलिटिको की रिपोर्ट के अनुसार, यूनियन नेताओं और डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में पारित कानून के विपरीत होगा। व्हाइट हाउस ने कहा है कि छुट्टी पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने के आसार हैं। ओवल ऑफिस में मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रशासन को सबकी चिंता है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो देखभाल के लायक नहीं हैं। एक्सियोस ने व्हाइट हाउस के कड़े रुख की सबसे पहले सूचना दी। इसके बाद राजनीतिक उथल-पुथल शुरू हो गई। व्हाइट हाउस और प्रबंधन एवं बजट कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों ने इस बात को स्वीकार किया है। लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

ट्रंप ने कहा कि डेमोक्रेट्स ने बहुत से लोगों को जोखिम और संकट में डाल दिया है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 35 दिनों से ज्यादा समय तक चले शटडाउन के बाद एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षरित किया था। यह आदेश पिछले वेतन की गारंटी प्रदान करता है। मगर ताजा रुख ने छुट्टी पर चल रहे 7,50,000 संघीय कर्मचारियों के सामने वेतन का संकट खड़ा कर दिया है। स्पीकर माइक जॉनसन का कहना है कि उन्होंने पिछले वेतन की गारंटी देने वाले 2019 के कानून के लिए मतदान किया था। जॉनसन ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि व्हाइट हाउस के ताजा आदेश पर बहस होगी। उम्मीद है कि छुट्टी पर गए कर्मचारियों को पिछला वेतन मिल जाएगा। कुछ कानूनी विश्लेषकों का मानना है कि सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए। डेमोक्रेट्स को इस पर तत्काल कठोर फैसला लेना चाहिए। इस बीच व्हाइट हाउस ने 2024 के चुनाव में ट्रंप के खिलाफ मतदान करने वाले राज्यों कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के लिए ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण को निलंबित कर दिया है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि शटडाउन से संबंधित किसी भी नौकरी में कटौती के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार होंगे।

सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि सरकारी शटडाउन के दौरान छुट्टी पर भेजे गए कुछ संघीय कर्मचारियों को काम पर लौटने के बाद भी पिछला वेतन नहीं मिलेगा। व्हाइट हाउस के एक मसौदा ज्ञापन में साफ किया गया है कि अवैतनिक अवकाश पर भेजे गए संघीय कर्मचारियों को पिछला वेतन मिलने की गारंटी नहीं है। इस संकट को दूर करने के लिए कांग्रेस को विशेष रूप से उस धनराशि का विनियोजन करना चाहिए। मंगलवार दोपहर व्हाइट हाउस में जब ट्रम्प से उन कर्मचारियों के बकाया वेतन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मैं कहूँगा कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम किसके बारे में बात कर रहे हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय उड्डयन प्रशासन ने कर्मचारियों की कमी के कारण नैशविले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जाने वाली उड़ानों पर मंगलवार रात कुछ समय के लिए रोक लगा दी है। हवाई अड्डे पर पूर्वी समयानुसार रात एक बजे तक उड़ानों को रोकने की जानकारी दी गई है। कर्मचारियों की कमी का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन परिवहन सचिव सीन डफी ने सोमवार को कहा कि शटडाउन की शुरुआत के बाद से यातायात नियंत्रकों की संख्या में वृद्धि हुई है पर उन्होंने बीमार होने की सूचना दी है। उड़ानों में देरी की एक वजह यह भी रही कि नैशविले में मंगलवार दोपहर तेज आंधी-तूफान आया। भारी बारिश हुई। 25 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और दृश्यता तीन मील तक कम रही। फ्लाइट अवेयर वेबसाइट के अनुसार, नैशविले से लगभग 244 उड़ानें देरी से गुजरीं। वेतन के मौजूदा संकट पर कर्मचारी संगठनों का कहना है कि प्रशासन अपने वादे से मुकर रहा है। अमेरिकी कार्मिक प्रबंधन कार्यालय ने पिछले महीने जारी शटडाउन दिशा-निर्देश में स्पष्ट रूप से कहा था कि छुट्टी पर भेजे जाएगा।

एनसीएल निगाही खदान में गिरा ट्रेलर

ड्राइवर की मौके पर ही मौत, पत्नी ने लगाए भाजपा नेता पर आरोप

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले की नॉर्दर्न कोलफील्ड्स की निगाही कोयला खदान में मंगलवार रात एक बड़ा हादसा हो गया। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे एक ट्रिप ट्रेलर 100 फीट गहरी खदान में गिर गया, जिससे उसके चालक तारकेश्वर पटेल की मौके पर ही मौत हो गई।

यह ट्रिप ट्रेलर कोयला खदान के भीतर परिवहन के काम में लगा हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही खदान के शिफ्ट इंचार्ज और कोयला डिस्पैच अधिकारियों ने मृतक का शव नॉर्दर्न कोलफील्ड के नेहरू अस्पताल भिजवाया। मृतक चालक तारकेश्वर पटेल की पत्नी रामा पटेल ने ट्रांसपोर्टर पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने बताया कि गाड़ी मालिक, जो भारतीय जनता पार्टी सिंगरौली के कोष अध्यक्ष अंजनी जायसवाल हैं, उनके पति से लगातार 8 घंटे की बजाय 18 से 25 घंटे तक गाड़ी चलवा रहे थे। रामा पटेल के अनुसार, जब उनके पति ने ज्यादा काम का विरोध किया तो उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी गई।

परिजनों का मानना है कि अत्यधिक काम के दबाव के कारण ही यह हादसा हुआ होगा। हालांकि, इस मामले पर एनसीएल के कोई भी अधिकारी अधिकृत रूप से बात करने को तैयार नहीं हैं।

मोरवा थाना प्रभारी उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना मिल गई है। उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जाएगी। यदि जांच में ट्रांसपोर्टर या किसी अन्य अधिकारी की कोई गलती पाई जाती है, तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आरईएस महिलाकर्मी 8 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार, पुलिया निर्माण के भुगतान में मांगी थी 7 प्रतिशत कमीशन; एसडीओ, इंजीनियर और सब इंजीनियर फरार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्रामीण इंजीनियरिंग सेवा (आरईएस) विभाग में रिश्वतखोरी का मामला सामने आया है। यहां बुधवार को रीवा लोकायुक्त पुलिस ने छापा मारकर एक महिला कर्मचारी नेहा सिंह (सहायक वर्ग तीन) को 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई भाजपा नेता राजकुमार की शिकायत पर की गई। लोकायुक्त टीआई उपेंद्र कुमार दुबे के अनुसार, लगभग 2.14 लाख रुपए की लागत वाली एक पुलिया के एवज में एसडीओ आर.एस. पटेल, सब इंजीनियर रामाश्रय पटेल और अखिलेश मौर्य ने 15,000 रुपए की रिश्वत मांगी थी। अधिकारियों ने ठेकेदार से कहा था कि तय रकम दिए बिना भुगतान नहीं किया जाएगा। इसके बाद शिकायतकर्ता भाजपा नेता राजकुमार ने रीवा लोकायुक्त को सूचना दी।

दबिश के दौरान मची अफरा तफरी: शिकायत के सत्यापन के बाद बुधवार को टीम ने योजनाबद्ध तरीके से महिला कर्मी नेहा सिंह को 8,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। इस कार्रवाई से आरईएस कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। गिरफ्तारी के दौरान एसडीओ आर.एस. पटेल, इंजीनियर रामाश्रय पटेल और सब इंजीनियर अखिलेश मौर्य मौके से भाग गए। लोकायुक्त पुलिस अब इन तीनों की तलाश कर रही है। गिरफ्तार महिला कर्मी को आगे की कार्रवाई के लिए सीधी सर्किट हाउस लाया गया है।

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं नवोदय विद्यालय समिति, क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट, जिला सीधी में 7 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (ब्वउइपदमक ।ददनंस ज्तंपदपदह ब्ंउच) का शुभारंभ किया गया।

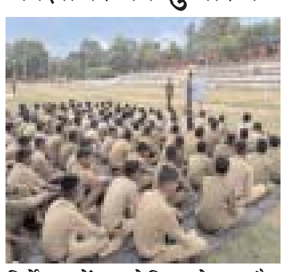

शिविर का आयोजन कर्नल संदीप जसपाल एवं सूबेदार मेजर भगवानदास, 3 एम.पी. बटालियन एनसीसी रीवा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शिविर के सफल संचालन में प्रभारी प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी का महत्वपूर्ण योगदान है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उपायुक्त आर.के. वर्मा, सहायक आयुक्त लेखराज मीणा, सहायक आयुक्त डी.के. सिंह, तथा सहायक आयुक्त एवं संकुल प्रभारी दीक्षा ज्योति मिश्रा के निर्देशन में आयोजित हो रहा है।

इस शिविर में सीधी, रीवा, सतना, मऊगंज एवं सिंगरौली जिलों के लगभग 400 एनसीसी कैडेट भाग ले रहे हैं। कैडेट्स को शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, मैप रीडिंग, वेपन ट्रेनिंग, आपदा प्रबंधन तथा व्यक्तित्व विकास से संबंधित विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण दल में लेफ्टिनेंट उमाकांत साहू, थर्ड ऑफिसर पंकज शर्मा, थर्ड ऑफिसर राजकुमार मांझी, थर्ड ऑफिसर विश्वास कुमार पाण्डेय, तथा थर्ड ऑफिसर राजप्रकाश सिंह यादव सहित जेसीओ, एनसीओ, पीआई स्टाफ एवं लिपिकीय कर्मचारी शामिल हैं।

पेड़ों की कटाई पर आदिवासियों का प्रदर्शन, कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया; कार्रवाई की मांग की

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के देवसर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बांसी और बिरधा में लगातार हो रही हरे पेड़ों की कटाई के विरोध में आदिवासी समुदाय ने प्रदर्शन किया। सैकड़ों आदिवासियों ने आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष रतीभान साकेत के नेतृत्व में सिंगरौली कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

निजी कंपनियों के हित में कटाई का आरोप: आदिवासियों ने आरोप लगाया कि वे पीढ़ियों से इस क्षेत्र की भूमि और जंगलों पर निर्भर हैं, लेकिन अब निजी कंपनियों के हित में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है और स्थानीय आदिवासी समुदाय के अस्तित्व पर भी खतरा मंडरा रहा है। मझौली सरपंच चंदा पनिका ने कहा कि सरकार एक ओर जल, जंगल और जमीन बचाने के नारे देती है, वहीं दूसरी ओर उन्हीं जंगलों को उजाड़ने की अनुमति दे रही है। जनपद सदस्य रुक्मिणी देवी ने बताया कि उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए चिपको आंदोलन जैसा अभियान चलाया है और पेड़ों को राखी बांधी है।

आदिवासियों ने चेताया- अगर रोक नहीं लगी तो तेज होगा आंदोलन: आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष रतीभान साकेत ने कहा कि बांसी-बिरधा क्षेत्र में विकास के नाम पर अंधाधुंध पेड़ों की कटाई से प्रदूषण का स्तर बढ़ेगा। उन्होंने प्रशासन से तुरंत इस कटाई पर रोक लगाने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने की मांग की। इस मौके पर बंसी-बिरधा क्षेत्र की सरपंच सहित बड़ी संख्या में आदिवासी पुरुष और महिलाएं मौजूद रहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मामले में एसडीएम माइकल तिर्की ने बताया कि ग्रामीणों का आवेदन ले लिया गया है और संबंधित विभाग को भेजकर जांच करवाई जाएगी।

कुसमी बाजार में दो मेडिकल दुकानें सील, अमानक प्रतिबंधित दवाएं मिली; सैंपल जांच के लिए भेजे गए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के कुसमी बाजार में बुधवार शाम स्वास्थ्य और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने मेडिकल दुकानों पर कार्रवाई की। इस दौरान अनियमितताओं के चलते दो दुकानों को सील कर दिया गया। जांच में बबलू मेडिकल और मां मनसा चांदसी क्लीनिक पर अनियमितता पाई गई हैं। टीम ने कुल आधा दर्जन दुकानों की जांच की।

यह कार्रवाई बुधवार शाम करीब 4 बजे बीएमओ कुसमी डॉ. सुधीर गुप्ता ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ की। जांच के दौरान टीम को कई दुकानों पर बिना लाइसेंस के दवाएं बेचे जाने और एक्सपायरी दवाएं मिलीं। बीएमओ डॉ. सुधीर गुप्ता ने जानकारी दी कि सील की गई दुकानों में बच्चों और बड़ों दोनों के लिए अत्यंत हानिकारक और प्रतिबंधित दवाएं रखी गई थीं। दवाओं के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। डॉ. गुप्ता ने बताया कि आने वाले दिनों में इस तरह की जांच लगातार जारी रहेगी। सभी मेडिकल दुकानदारों को चेतावनी दी गई है कि वे बिना वैध लाइसेंस के दवाओं की बिक्री न करें और अपने स्टॉक में एक्सपायरी दवाएं न रखें। भविष्य में ऐसी शिकायतें मिलने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने 7 साल से लापता नाबालिग को ढूंढा, परिवार से मिलवाया; साल 2018 में बिना बताए घर से निकला था

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की कुसमी पुलिस ने बुधवार को 7 साल पहले लापता हुए एक नाबालिग बालक को ढूंढ़कर उसके परिवार से मिलवाया। जिससे परिजनों में खुशी का माहौल है। बालक साल 2018 से लापता था। कुसमी थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी के मार्गदर्शन और पोड़ी चौकी प्रभारी डी.के. रावत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस मामले में कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि साल 2018 में थाना कुसमी में पुष्पराज सिंह (13), पिता सोमेश्वर सिंह, निवासी ग्राम कमछ, चौकी पोड़ी के गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

साल 20218 में बिना बताए घर से निकला था: पुष्पराज 2018 में अपने गांव कोडार से बिना बताए घर से निकला था। वह भदौरा रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़कर कटनी पहुंचा। वहां से वह गुजरात चला गया और लगभग एक महीने तक रहा। इसके बाद वह मेरठ चला गया, जहां उसने करीब छह वर्षों तक काम किया। हाल ही में वह भोपाल और इंदौर पहुंचा था, जहां एमपी नगर स्थित एक होटल में कार्यरत था।

पुलिस टीम ने लगातार प्रयासों के बाद बालक का पता लगाया और उसे सुरक्षित हिरासत में लिया। चौकी प्रभारी डी.के. रावत ने बताया कि बालक की पहचान उसकी मां और भाई की उपस्थिति में पुराने निशानों और विशेष चिन्हों से कराई गई। पुष्पराज की मां ने उसे अपना बेटा बताया, और भाई पुष्पेंद्र सिंह ने भी इसकी पुष्टि की। इसके बाद पुलिस ने पहचान पंचनामा, दस्तयाबी पंचनामा और सुपुर्दगी पंचनामा तैयार कर बालक को उसके परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने पुलिस को इसके लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि 7 साल बाद उनका बेटा सकुशल लौट आएगा। कुसमी थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी ने बताया कि गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश पुलिस की प्राथमिकता है, और पोड़ी चौकी की टीम ने इस मामले में उत्कृष्ट कार्य किया है।

गोपद नदी घाट से रेत का अवैध परिवहन करते वाहन को खनिज अमले ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन एवं जिला खनिज अधिकारी कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनिज विभाग में पदस्थ शिशिर यादव एवं दल द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की प्राप्त शिकायतों की जांच की। इस दौरान गत दिवस रात्रि लगभग 12.30 बजे ग्राम बारपान स्थित गोपद नदी घाट से खनिज रेत लोड एक वाहन टाटा 912, क्रमांक एपी53जीए4285 आता दिखाई दिया।

खनिज अमले को देखकर वाहन चालक ने मौके पर ही रेत पलटकर भागने का प्रयास किया, लेकिन खनिज दल द्वारा घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। वाहन चालक संदीप साकेत, पिता यज्ञलाल साकेत, निवासी ग्राम तरका, थाना बहरी ने खनिज रेत उत्खनन/परिवहन के संबंध में वैध अनुमति या अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद वाहन को चालक के कब्जे से जब्त कर थाना बहरी में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया।

वाहन स्वामी के विरुद्ध म.प्र. अवैध खनिज, परिवहन तथा भंडारण निवारण नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इस कार्रवाई में नगर सैनिक शिवशंकर सिंह, नंदीलाल रावत, अनिल पाठक तथा चालक शंकर दयाल यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लैपटॉप एवं मोटराइज्ड ट्रायसिकल वितरण हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, जिला सीधी ने जानकारी दी कि दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पात्रतानुसार लैपटॉप एवं मोटराइज्ड ट्रायसिकल प्रदान किए जाने का प्रावधान है। इसके लिए शासकीय संस्थानों में अध्ययनरत ऐसे दिव्यांग छात्र-छात्राओं, जिन्हें पूर्व में शासन की किसी भी योजनांतर्गत लैपटॉप या मोटराइज्ड ट्रायसिकल प्रदान नहीं किया गया है, का स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन 30 अक्टूबर 2025 तक दर्ज किया जाना आवश्यक है। प्राप्त आवेदनों के आधार पर चयनित छात्र-छात्राओं को 3 दिसंबर 2025 को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर लैपटॉप एवं मोटराइज्ड ट्रायसिकल का वितरण किया जाएगा। सभी संबंधित संस्थानों को निर्देश दिए गए हैं कि इस कार्यवाही को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करें।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए लैपटॉप की पात्रता 9वीं कक्षा में 50 प्रतिशत अंक प्राप्त होने पर 10वीं कक्षा में प्रथम बार प्रवेश लेने या द्वितीय बार आईटीआई में प्रवेश लेने पर होगी। श्रवणबाधित विद्यार्थियों को भी 9वीं में 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर 10वीं या आईटीआई में प्रथम बार प्रवेश लेने पर पात्रता मिलेगी। आस्थिबाधित विद्यार्थियों के लिए 9वीं कक्षा में 60 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं, तथा 10वीं या आईटीआई में प्रथम बार प्रवेश लेने पर वे योजना के लिए पात्र होंगे। अस्थिबाधित विद्यार्थी, जिनके शरीर का निचला भाग प्रभावित होने से वे चलने में अक्षम हैं और जिनकी न्यूनतम दिव्यांगता 60 प्रतिशत है, उन्हें मोटराइज्ड ट्रायसिकल प्राप्त करने की पात्रता होगी, बशर्ते उन्होंने 9वीं में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों और 10वीं, स्नातक या पॉलीटेक्निक में प्रवेश लिया हो। वहीं, मंदबुद्धि दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए 9वीं में 50 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं तथा 10वीं या आईटीआई में प्रथम बार प्रवेश लेने पर उन्हें लैपटॉप प्रदान किया जाएगा।

कुसमी जनपद में वयोश्री एवं एडिप योजना अंतर्गत एलिम्को द्वारा सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविर संपन्न

सभी पात्र लाभार्थियों का चिह्नांकन समयबद्ध और व्यवस्थित तरीके से किया जाए: सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के जनपद पंचायत कुसमी के सभागार में वयोश्री योजना अंतर्गत वृद्धजनों एवं एडिप योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए एलिम्को जबलपुर द्वारा सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक धौहनी श्री कुँवर सिंह टेकाम ने की। इस अवसर पर कुल 54 लाभार्थियों का चिह्नांकन किया गया, जिसमें वयोश्री योजना अंतर्गत 37 वृद्धजन और एडीपी योजना अंतर्गत 17 दिव्यांगजन शामिल थे। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार के शिविर वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, क्योंकि ये उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर जीवन में स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र लाभार्थियों का चिह्नांकन समयबद्ध और व्यवस्थित तरीके से किया जाए और उन्हें समय पर उपकरण प्रदान किए जाएँ।

विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कहा कि ऐसे शिविर समाज के कमजोर वर्गों के लिए आशा की किरण हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक लाभार्थी तक उपकरण पहुँचने में किसी प्रकार की देरी न हो और उनका उचित प्रशिक्षण व उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि वे अपने जीवन में आत्मनिर्भर बन सकें। शिविर का संचालन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी ज्ञानेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में डॉ. दीपक त्रिपाठी, ट्रांसडिसिप्लिनरी विशेष शिक्षक शिवांशु शुक्ला, नम्रता मिश्रा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र सीधी, सहायक ग्रेड-3 प्रभात शुक्ला तथा समग्र विस्तार अधिकारी जयराज सिंह उपस्थित रहे।

एनएमएमएस परीक्षा की गोपनीय सामग्री का वितरण 10 अक्टूबर को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा छात्रवृत्ति (एनएमएमएस) परीक्षा की गोपनीय सामग्री का वितरण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2, सीधी से 10 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे से किया जाएगा। उन्होंने संबंधित प्राचार्यों कृ शा.उ.मा.वि. क्रमांक-2 सीधी, सीधीखुर्द, उत्कृष्ट सीधी, चौफाल, लकोडा, अमिलिया, बहरी, सपही, उत्कृष्ट सिहावल, उत्कृष्ट कुसमी, पोड़ी, भुईमाड, टमसार, पथरौला, मॉडल मझौली, मडवास, ताला, उत्कृष्ट रामपुर नैकिन, कन्या चरुहट, खड्डी एवं हनुमानगढ़ कृ को निर्देशित किया है कि वे निर्धारित तिथि 10 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे स्वयं उपस्थित होकर परीक्षा केन्द्र की गोपनीय सामग्री प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

भ्रामक बातों का सहारा लेकर विद्यार्थियों को दाखिला लेने के लिए आकर्षित करते हैं मशहूर कोचिंग संस्थान

संपादकीय

यह बेहद अफसोसनाक है कि दिल्ली जैसे शहर में कुछ मशहूर कोचिंग संस्थान भी अपने प्रचार में भ्रामक बातों का सहारा लेकर विद्यार्थियों को दाखिला लेने के लिए आकर्षित करते हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए पहले भी कार्रवाई की थी, लेकिन कई कोचिंग संस्थानों ने अपने प्रचार में भ्रम परोसना जारी रखा। अब एक बार फिर प्राधिकरण ने भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए दिल्ली स्थित एक जाने-माने कोचिंग संस्थान पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

संभव है कि भारी कमाई करने वाले किसी संस्थान के लिए यह रकम बहुत बड़ी न हो, लेकिन इस जुर्माने से यह एक बार फिर स्पष्ट होकर सामने आया है कि इस तरह के संस्थान सार्वजनिक रूप से झूठे आंकड़े रखते हैं और विद्यार्थियों को बरगलाते हैं। गौरतलब है कि प्राधिकरण ने जिस संस्थान पर जुर्माना लगाया, उसने अपने विज्ञापन में संघ लोक सेवा आयोग की एक परीक्षा में दो सौ सोलह उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरों के साथ उनके चयन का दावा किया था। जबकि प्राधिकरण की जांच में इस दावे को गुमराह करने वाला पाया गया। सवाल है कि इस तरह का भ्रम परोसने की जरूरत किसी संस्थान को क्यों पड़ती है?

झूठ की बुनियाद पर टिके होते हैं संस्थान

दरअसल, पिछले कुछ दशकों के दौरान ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग संस्थान में दाखिला लेकर तैयारी करना एक आम चलन हो चुका है। इसके लिए प्रतियोगिता की तैयारी करने वाले ज्यादातर युवा किसी संस्थान का चुनाव करने के मामले में काफी हद तक उसके बारे में प्रचारित बातों से प्रभावित होते हैं। किसी कोचिंग संस्थान में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या में प्रचार के आकर्षण की बड़ी भूमिका होती है। इसी क्रम में कुछ संस्थान अपने बारे में किए गए प्रचार में जिन बातों का सहारा लेते हैं, उनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं, जो झूठ की बुनियाद पर टिके होते हैं।

मसलन, प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग की खोज करते विद्यार्थियों को यह बताना कि उस संस्थान में पढ़ने के बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त की। जाहिर है, ऐसी बातों से युवा आकर्षित होंगे, लेकिन सवाल है कि भ्रम की बुनियाद पर चलने वाले कोचिंग संस्थान अपने बारे में कैसा मानक सामने रख रहे हैं!

स्वर्ण मद की लतः बिहारी जी की सीख और आज की हकीकत

(राकेश अचल-विभूति फीचर्स)

सोने के नशे के बारे में सुनारों और खरीदारों से ज्यादा हमारे कविवर बिहारी शायद ज्यादा जानते थे, इसीलिए उन्होने युगों पहले लिखकर आगाह कर दिया था कि- कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय, वा खाए बौराय जग, जा पाए बौराय

यानि कि सोने (स्वर्ण) का नशा धतूरे (एक नशीला फल) के नशे से सौ गुना अधिक होता है। धतूरे को खाने पर लोग नशे में आ जाते हैं, जबकि सोना मिल जाने मात्र से ही व्यक्ति अहंकारी और मतवाला हो जाता है। इस दोहे के कवि बिहारी जी हैं और इसमें यमक अलंकार का प्रयोग किया गया है, जहाँ कनक शब्द के दो अलग-अलग अर्थ (सोना और धतूरा) हैं। जब हम अलंकार पढ रहे होते हैं तो हमें यमक अलंकार के प्रयोग का यही उदाहरण दिया जाता था।

यह दोहा धन के लोभ के बुरे प्रभाव को दर्शाता है, क्योंकि धन का लालच भी नशे की तरह व्यक्ति पर बुरी तरह असर करता है और उसे होश-ओ-हवास खोने पर मजबूर कर देता है।

मजे की बात ये है कि स्वर्णमद के बारे में बिहारी जी की सीख अकारथ गई। आज सोना और चांदी की कीमतों में आग लगी हुई है और हर अतीत बनते दिन के साथ ये दोनों ही कीमती धातुएं रिकॉर्ड तोड़ती जा रही हैं। 10 ग्राम सोने का दाम जहां मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 1.20 लाख रुपये के आंकड़े को पार कर गया है, तो वहीं घरेलू मार्केट में भी ये तूफानी रफ्तार से भाग रहा है।

सोने की कीमतों ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों से लेकर घरेलू मार्केट तक गदर मचाकर रखा है और साल 2025 में ये ताबड़तोड़ तेजी के साथ उछली हैं। वहीं सोने के भाव में बदलाव पर नजर डालें तो इससे पहले 19 सितंबर को ये 1,10,951 रुपये पर था।

जानकार बताते हैं कि सोने का नशा बढने की वजह से घरेलू बाजार में भी सोने की कीमत में अप्रत्याशित उछाल देखने को मिला है।

इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट पर अपडेट किए जाने वाले गोल्ड रेट देश भर में समान होते हैं, लेकिन जब आप ज्वेलरी शॉप पर आभूषण खरीदने के लिए जाते हैं, तो फिर इस पर लागू 3 फीसदी जीएसटी के साथ ही मेकिंग चार्ज भी देना होता है, जो विभिन्न शहरों में अलग-अलग हो सकता है। ऐसे में इसकी कीमत और भी बढ़ जाती है।

जहां सोना विप्लव मचा रहा है, तो वहीं दूसरी ओर चांदी का नशा भी कम होने का नाम नहीं ले रहा। चांदी की कीमत भी थमने का नाम नहीं ले रही है। इस साल सोने से ज्यादा रिटर्न देने वाली चांदी ने भी हर रोज अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला कायम रखा है।

घरेलू मार्केट में 1 किलो चांदी का भाव बढ़कर 1,38,100 रुपये पर पहुंच गया, तो वहीं एमसीएक्स पर 5 दिसंबर की एक्सपायरी वाली चांदी का वायदा भाव 1.42 लाख रुपये को पार कर गई । देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्यों के कर और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है। आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का इस्तेमाल होता है, जबकि कुछ लोग 18 कैरेट सोने की ज्वेलरी भी बनवाते हैं। इसकी शुद्धता को जांचने की बात करें, तो आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क दर्ज होता है, जिससे इसकी पहचान आसान हो जाती है। जैसे 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। धतूरे का नशा तो दवाई से उतारा भी जा सकता है लेकिन सोने का नशा उतारने की कोई औषधि अभी तक नहीं बनी। ये नशा जब लत में बदलता है इससे छुटकारा या तो सन्यासी बनने पर मिलता है या फिर इहलीला समाप्त होने पर। सोने से विरक्त होना आसान नहीं। संयोग से मुझे ये वैराग्य बहुत जल्द हो गया था। आपको मेरे जिस्म पर रत्ती भर भी सोना नजर नहीं आएगा। अगर आप मुझे विश्वसनीय मानें तो इस समय अनेक देशों की सरकारों से ज्यादा सोना भारतीय जनता के पास है। अनुमान है कि भारत की जनता के पास 25000 टन सोना हो सकता है। इसमें मंदिरो का स्वर्ण भी शामिल है।

हमारे देश में जीवन संरक्षण की परंपरा बहुत पुराना है, धर्म कला आदि सभी में जीवनधारियों. का समान महत्व दिया गया है। भारतीय संस्कृति तथा दर्शन में तो मानव सहित अन्य जीवधारियों को प्रकृति की सृजन योजना का अभिन्न अंग माना गया है! आदिकाल में शिकार जोखिम और बहादुरी का प्रतीक था, तो मध्यकाल में यह शान-शौकत का काम समझा जाने लगा तथा आजकल तो यह व्यवसाय में बदल गया है। यह एक सुखद अनुभव है कि अब पूरी दुनिया के अधिकांश लोग वन्यप्राणी संरक्षण की जरूरत महसूस करने लगे हैं। यह एक शुभ लक्षण है। प्रदेश में वन्व प्राणियों के संरक्षण की दिशा में प्रभावी कदम उठाये गये हैं। प्रदेश में शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध है।

वन्य जीवन और मानव जीवन एक दूसरे के परंम पर्याय

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

आज पृथ्वी पर मनुष्य नामक जीव ने अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया है। इसीलिये अब मनुष्य यह भूल बैठा है ,कि पृथ्वी में अन्य जीव जंतुओं को भी रहने का उतना ही अधिकार है जितना मनुष्य को। मनुष्य और वन्यप्राणी एक सिक्के के दो पहलू हैं। सृष्टि के प्रारंभ से वे एक दूसरे के पूरक रहे हैं। हमारे पौराणिक ऐतिहासिक ग्रंथो में यदाकदा मानव और वन्य प्राणियों के प्रगाढ़ संबंधों के प्रमाण मिल जाते हैं। वस्तुतः मनुष्य जीवजगत और वनस्पति एक दूसरे के पूरक भी हैं। इनके हितों में कोई टकराव नहीं है।

किन्तु मानव जैसे-जैसे सभ्य होता गया, वह सह-विकास, सहसृजनात्मकता और सहयोग की भावनाओं को नज़र अंदाज कर उनकी जान का दुश्मन बन गया, वह उन्हें मनोरंजन, शानो-शौकत और धन जोड़ने का साधन समझने लगा ! परिणामस्वरुप वन्यप्राणियों की खालें और उनसे बनने वाली अन्य वस्तुयें सजावट के काम आने लगीं। वन्यजीव विनाश का बाजार गर्म हो गया! वन्य प्राणियों की संख्या न्यून होते लगी और उनका जीवन ही नहीं अब तो उनका अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है!

हमारे देश में जीवन संरक्षण की परंपरा बहुत पुराना है, धर्म कला आदि सभी में जीवनधारियों. का समान महत्व दिया गया है। भारतीय संस्कृति तथा दर्शन में तो मानव सहित अन्य जीवधारियों को प्रकृति की सृजन योजना का अभिन्न अंग माना गया है! आदिकाल में शिकार जोखिम और बहादुरी का प्रतीक था, तो मध्यकाल में यह शान-शौकत का काम समझा जाने लगा तथा आजकल तो यह व्यवसाय में बदल गया है।

यह एक सुखद अनुभव है कि अब पूरी दुनिया के अधिकांश लोग वन्यप्राणी संरक्षण की जरूरत महसूस करने लगे हैं। यह एक शुभ लक्षण है। प्रदेश में वन्व प्राणियों के संरक्षण की दिशा में प्रभावी कदम उठाये गये हैं। प्रदेश में शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध है। प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान तथा अभ्यारणों में प्राकृतिक रहवास, संरक्षण तथा विकास के साथ-साथ वैज्ञानिक रुप से सफलतापूर्वक वन्यप्राणियों का प्रबंध किया जा रहा है। इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान केन्द्रीय सहायता प्राप्त प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत प्रबंधित है। अभ्यारणों में बसे ग्रामीणों के समग्र विकास के लिए भी विकास योजनाएं चलाई जा रही हैं।

वन्यप्राणी संरक्षण की समूची योजना को जनता से जोड़ने, पारस्परिक समझ और सहयोग के मुद्दे को व्यवहारिक ढंग से जनता तक प्रचारित किया जा रहा है।प्रदेश में वन्य प्राणियों के संरक्षण एवं विकास के फलस्वरुप इनकी संख्या में वृद्धि हुई है। इन वनों में विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत वन्य प्राणियों के लिये समुचित पानी, चराई, नियंत्रण एवं सहान गश्त के माध्यम से वन्य प्राणियों के. रिहायशी स्थानों को सुरक्षित रखकर बन अपराधों पर नियंत्रण रखा जा रहा है! अभ्यारणों एवं राष्ट्रीय उद्यानों में स्थित अथवा उनके सीमावर्ती ग्रामों का पर्यावरणीय विकास भी किया जा रहा है! वन्य प्राणियों से जो जनहानि अथवा पशुहानि होती है, उसकी क्षतिपूर्ति शासन द्वारा की जाती है!

हिंसक वन्य प्राणियों के द्वारा व्यक्ति के घायल होने की स्थिति में क्षतिपूर्ति की राशि अधिकतम पांच हजार प्रतिव्यक्ति देने का प्रावधान है। इसी प्रकार हिंसक वन्य प्राणियों द्वारा मारे गये व्यक्तियों के परिवार को क्षतिपूर्ति की राशि दस हजार रुपये प्रति व्यक्ति देने का प्रावधान है। प्रदेश में अवैध शिकार के प्रकरणों पर कड़ाई से नियंत्रण रखा जा रहा है। बीते वर्ष में 228 अवैध शिकार के प्रकरण दर्ज किये गये थे। भारत सरकार ने वन्य प्राणियों के अस्तित्व की अनिवार्यता को महसूस कर उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वर्ष 1971 में पूरे राष्ट्र में शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर प्रभावी कदम उठाया. राज्य सरकारों ने वर्ष 1974 में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम बनाकर उन्हें प्राकृतिक वातावरण में स्वच्छंद रहने के लिये उनकी संख्या में वृद्धि करने के लिये राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारणों की स्थापना की! इस दिशा में निरंतर प्रयासों के परिणाम स्वरुप अब राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभयारण्यों की संख्या पर्याप्त बढ़ चुकी है। प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण स्थापित करने के लिये उन क्षेत्रों का चयन किया गया है, जो वन्य प्राणियों के लिये उपयुक्त है अथवा जहां लुप्त हो रही वन्य प्रजातियां थी!

वन्य प्राणियों के संरक्षण का एकमात्र तरीका संबंधित वन क्षेत्र को राष्ट्रीय उद्यान अथवा अभ्यारण के अंतर्गत लाकर वहां उन्हें पूरी सुरक्षा प्रदान करता है। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारणों की स्थापना की गई है। प्रदेश का इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान, बारह सिंघा की दक्षिणी नस्ल का आखिरी आश्रयस्थल है! वह दिन प्रदेश के लिये अत्यंत अशुभ दिन होगा जब वहां के सुंदर सघन साल वनों में हरिण परिवार के शानदार सदस्य बारह सिंघे की आवाज गूंजना बंद हो जायेगी।

इस सदी के प्रारंभ में जब प्रसिद्ध प्रकृतिविद् मिस्टर ब्रांडर ने यह आशंका व्यक्त की थी तब उन्हें क्या मालूम था कि वे भविष्यवाणी करने जा रहे हैं। बस्तर में कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान है। मध्यप्रदेश में बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1982 से बाघ तथा श्रृंगधारी वन्य प्राणियों की बढ़ती आबादी को आवास स्थल का रूप देने के लिये चार गुना क्षेत्र में बढ़ा दिया गया है।

सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान पचमढ़ी की वादियों में स्थित है उसमें सांभर, तेंदुआ, और आदि वन्य प्राणी है। यह स्थल वन्य प्राणियों के लिये श्रेष्ठतम स्थानों में से एक हैं। कृष्ण मृगों की संख्या में वृद्धि करने के लिये बगदरा अभ्यारण स्थापित किया गया। राष्ट्रीय चंबल केन, सोन, अभ्यारण और इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान में घड़ियाल पाले जा रहे हैं। भोपाल में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना की गई हमारे सरगुजा संभाग के अंतर्गत एक राष्ट्रीय उद्यान स्थित है जो सरगुजा जिले में स्थित है। ये उद्यान संजय उद्यान के नाम से प्रसिद्ध है। वहां बाघ, तेन्दुआ, चीतल आदि वन्यजीव बहुतायत से पाये जाते हैं! यह 1938 वर्ग किलोमिटर क्षेत्रफल में स्थित है।

यहां नवम्बर से जून के मध्य भ्रमण करने के लिये अच्छा समय माना जाता है। इसी प्रकार इस क्षेत्र में बादलखोल अभ्यारण जो जशपुर जिले में स्थित है। यह 104.35 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर, गौर आदि वन्य जीव मुख्य रुप से पाये जाते हैं! रायगढ़ जिले में गोमरडा अभ्यारण स्थित है। जो 277.82 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में व्यवस्थित है, यहां तेंदुआ, गौर, सांभर बहुतायत से पाये जाते हैं। सरगुजा जिले में समरसोत अभ्यारण स्थित है, यह 430.36 वर्ष किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। यहां बाघ, तेंदुआ, सांभर और घीतल वन्यजीव मिलते हैं।

सरगुजा में ही तमोर पिंगला अभ्यारण है जो 608.52 वर्ग - किलोमिटर क्षेत्र में फैला है जहां बाघ तेंदुआ, सांभर, चीतल आदि वन्यप्राणी मिलते हैं। बिलासपुर जिले में एकमात्र अचानकमार अभ्यारण स्थित है यह टाइगर रिजर्व के रूप में भी विख्यात है। जो 551.55 वर्ग किलोमिटर क्षेत्र में व्यवस्थित है। यहां बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर, गौर, आदि वन्य जीव पाये जाते हैं! अचानकमार अभ्यारण में वर्तमान में 46 बाघ,(टीप–2022-23 की बाघों की जनगणना में आश्चर्यजनक रूप से बाघों की संख्या बढ़ोतरी के बजाय घट गई है) 216 तेन्दुआ, 2006 चीतल, 418 सांभर, 44 चौसिंघा, 344 वर्किंग डियर, 438 गौर-बाइसन, 1506 जंगली सुअर, 656 भालू, 286 सोनकुत्ता, 6 अजगर विचरण कर रहे हैं!

वन्य प्राणियों की लुप्त हो रही प्रजातियों को सरंक्षण देने के लिये निम्न कदम उठाये जा रहे हैं! पहाड़ी मैना (राज्य पक्षी) की लुप्त प्रजाति को बचाने के लिये बस्तर क्षेत्र में अभ्यारण बनाये गये हैं! तो मध्यप्रदेश में खरमोर पक्षी को पूर्ण संरक्षण प्रदान करने के लिये धार एवं झाबुआ जिलों में दो अभ्यारण सरदारपुर एवं सैलाना में स्थापित किये गये हैं। घडियालों की संख्या में वृद्धि करने के लिये चंबल राष्ट्रीय वन और सोन अभ्यारणों की स्थापना की गई है। वर्ष 1986 में इनकी कुल संख्या 1300 हो गई थी ! बाघों के संरक्षण के लिये केन्द्र सरकार की सहायता के दो टायगर प्रोजक्ट कान्हा एवं इन्द्रावती राष्ट्रीय उद्यान में चल रहे हैं! वर्ष 1974 में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में बाघ परियोजना कियान्वित की गई! परियोजना के अंतर्गत कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में बंजर तथा हलो घाटी का क्षेत्र अभ्यारण में जोड़कर 935 वर्ग किलोमिटर क्षेत्र का कान्हा टाइगर रिजर्व निर्मित किया गया जिसे बाघ परियोजना का केन्द्र स्थल कहा गया!

दो वर्ष पश्चात बंजर तथा पहलों घाटी के अभ्यारण क्षेत्र को राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा देकर और सीमावर्ती क्षेत्र मिलाकर कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में शामिल कर दिया गया, जिससे कान्हा राष्ट्रीय उद्यान का पूरा इलाका राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आ गया।

ऑपरेशन सिंदूर में रही वायुसेना की अहम भूमिका

भारतीय वायुसेना का इतिहास विधिवत रूप से स्वतंत्रता के पश्चात प्रारंभ होता है। हालांकि तब 66 वर्ष पूर्व ही वहाँ वायुसेना की टुकड़ी काम करने लगी थी, जो ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन थी। प्रथम भारतीय मूल के पायलटों को मान्यता एवं ट्रेनिंग पूर्ण करने के स्मरण में ही वायुसेना दिवस मनाया जाता है।भारतीय वायुसेना प्रारंभ में बहुत समस्याग्रस्त थी, आर्थिक संसाधन, प्रशिक्षित तकनीशियों की कमी, व्यवस्थित नेटवर्क की कमी आदि का सामना करना पड़ता था।

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

किसी भी देश की सीमायें तभी सुरक्षित रह सकती हैं, जब तक की उसकी सेनाएँ सजग एवं सामर्थ्यशाली हो। भारत की सेनाएँ भी आज तन मन धन से देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिये दिन रात जुटी हुई हैं। सेनाओं के तीनों अंग थल सेना, जल सेना और वायु सेना एक दूसरे के साथ कदम एवं ताल मिलाकर अपना काम कर रही हैं। भारतीय वायुसेना 8 अक्टूबर को वायुसेना दिवस के रुप में मनाती हैं।

भारतीय वायुसेना का इतिहास विधिवत रूप से स्वतंत्रता के पश्चात प्रारंभ होता है। हालांकि तब 66 वर्ष पूर्व ही वहाँ वायुसेना की टुकड़ी काम करने लगी थी, जो ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन थी। प्रथम भारतीय मूल के पायलटों को मान्यता एवं ट्रेनिंग पूर्ण करने के स्मरण में ही वायुसेना दिवस मनाया जाता है।भारतीय वायुसेना प्रारंभ में बहुत समस्याग्रस्त थी, आर्थिक संसाधन, प्रशिक्षित तकनीशियों की कमी, व्यवस्थित नेटवर्क की कमी आदि का सामना करना पड़ता था। उस समय वायुयान भी इतने नहीं थे, इनके रखरखाव एवं उड़ाने की पद्धति भी बड़ी साहसिक एंव जोखिम पूर्ण होती थी। शनैः शनैः विज्ञान उत्तरोत्तर तरक्की करता गया, उसी प्रकार से लड़ाकू विमानों का भी परिस्करण होता गया।

और आज हालत यह है की रफ्तार से उड़ने वाले जेट लड़ाकू विमान भारत के पास हैं। अचूक शक्ति के साथ बचाव के अनेक विमानों को भारत में ही परिष्कृत कर लिये गया हैं। तभी तो भारत की वायुसेना विश्व में चौथे स्थान को सुशोभित कर रही हैं। पहले हमें बाहरी

विकसित देशों के विमानों का आयात करना पड़ता था, अब तो अति उन्नत तेजस सहित अन्य हल्के लड़ाकू विमानों का उत्पादन कर रहे हैं। यह हमारे लिये गर्व की बात है कि हम रक्षा के क्षेत्र में अब स्वनिर्भर हो रहे हैं।

भारतीय वायुसेना ने भारत, पाक युद्ध 1965 हो या 1971 की हो, इन युद्धों में अविस्मरणीय भूमिका निभाई थी। भारतीय वायु सेना के बल पर ही 65 की लड़ाई में पाकिस्तानी सेना को मुँह की खानी पड़ी थी। ऐसे ही अभी हाल ही में पहलगाम आतंकी घटना के परिप्रेक्ष्य में पाकिस्तान के खिलाफ की गई ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान को चारों खाने पटकनी देकर पाकिस्तान की बोलती बंद कर दी। ऑपरेशन सिंदूर के महत्वपूर्ण हमले में भारतीय वायु सेना की बहुत बड़ी भूमिका देखी गई।ऐसा नहीं हैं कि पाकिस्तान के पास अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की कमी हो, बल्कि वह तो रक्षा खर्च में भारत से ज्यादा ही खर्च करता रहा है, पर उसके हारने का मुख्य कारण है, भारतीय जांबाज, बहादुर तथा विशेषज्ञ पायलटों का होना वहीं इस तरह के पायलटों का न होना पाकिस्तान की असल कमजोरी रही।

पाकिस्तान के पास तो अत्याधुनिक एफ 16 मिराज आदि विमान हैं फिर भी वह भारत के सामने बिलकुल फिसड्डी और अनाड़ी हैं। भारत की वायुसेना में इस समय अति उन्नत रफाल, और स्वदेश निर्मित तेजस के साथ-साथ अत्याधुनिक लड़ाकू हेलिकाप्टर प्रचंड,मिराज 2000, मिग 27, मिग-29, एम आई - 28 तथा स्वदेशी निर्मित अन्य हलके अत्याधुनिक विमान हैं जिससे किसी भी युद्ध को आसानी से अपने पक्ष में किया जा सकता है। पाकिस्तानी घुसपैठियों के कारण उत्पन्न हुई कारगिल युद्ध और आपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने अदम्य शौर्य का प्रदर्शन किया था, उसे देखकर तो अमेरिका भी हैरत में पड़ गया था, पाकिस्तान की तो सिट्टी पिट्टी गुम हो गई थीं । कारगिल युद्ध के पश्चात थल सेनाध्यक्ष श्री मलिक ने कहा था कि- हमारी कारगिल विजय में वायुसेना के अविस्मरणीय योगदान को नहीं भुलाया जा सकता।

खासकर जब वहाँ की ऊंची ऊंची चोटियों में छुपे हुये पाकिस्तानी सैनिक एवं घुसपैठियों द्वारा जब भारतीय सेना को ऊपर से नीचे की ओर आसानी से निशाना बनाया जा रहा था, और थलसेना के लिये इन चोटियों को जीतना बड़ा दुष्कर बनता जा रहा था, तभी भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलटों ने अपने अप्रतिम शौहर का प्रदर्शन करते हुये इन घुसपैठियों को चुन चुनकर खदेड़ा। था। जिससे थलसेना का कार्य आसान हो गया था।

वर्तमान में भारतीय वायुसेना अपनी पूरी साज सज्जा और पूरी क्षमता ताकत के साथ अपनी पताका फहरा रही हैं। विश्व की महाशक्तियाँ भी अब यह स्वीकार करने में संकोच नहीं करती कि भारत के पास आज एक सुदृढ़ वायुसेना की व्यवस्था है, जो विश्व की किसी भी महाशक्ति से टकराने का पूरा दमखम रखती है। आज चीन को भी दस बार भारत से टकराने के पहले सोचने पर मजबूर किया है भारत की शक्तिशाली और सुदृढ़ वायु सेना ने।

पशुपालन और डेयरी उद्योग से आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे

ई-लिस मोबाईल एप्प पर होगी पशुधन की गणना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पशुधन विकास मंत्री मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि पशुपालन और डेयरी उद्योग के जरिए हम आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आज भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विश्व के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक देश के रूप में भारत की पहचान है। यह क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

पशुधन विकास मंत्री श्री नेताम आज पशुधन गणना के लिए भारत सरकार इंटीग्रेटेड सिम्पल सर्वे के लिए तैयार किए गए ई-लिस मोबाईल एप्प एण्ड डाटाबेस पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राजीव गांधी नेशनल भूमि जल प्रशिक्षण एवं अनुसंसाधन संस्थान में आयोजित इस प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस में उत्तरी जोनल स्तरीय

इस राष्ट्रीय प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस में भारत सरकार के पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास मंत्रालय के अधिकारियों के साथ ही बिहार, ओड़िसा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप के प्रतिनिधियों तथा पशुधन विकास विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

पशुपालन मंत्री श्री नेताम ने कहा कि पशुधन क्षेत्र की संभावनाओं का दोहन करने एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाने में छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2047 तक के अनुमानित उत्पादन का आंकलन किया है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य में दूध उत्पादन 2124 हजार टन है एवं वृद्धि दर 8.58 प्रतिशत है। वर्ष 2047 तक राज्य का दूध उत्पादन 12209 हजार टन और अण्डा उत्पादन 2023-24 में 23876 लाख से बढ़कर वर्ष 2047 में उत्पादन 112351 लाख होने का अनुमान है इसी प्रकार मांस उत्पादन जिससे पशुपालकों की आय में वृद्धि होगी। श्री नेताम ने कहा कि आंकड़ों का उपयोग वैश्विक स्तर पर नियोजन, नीति निर्माण, अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण है जिसमें प्रमुख पशु उत्पादन एवं उत्पादकता को प्राप्त करने के लिए एकीकृत न्यादर्श सर्वेक्षण का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है।

नई दिल्ली से आए सांख्यिकीय सलाहकार एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री जगत हजारिका कहा कि भारत सरकार द्वारा पशुधन की गणना के लिए ई-लिस एप्प के माध्यम से करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ई-लिस से प्राप्त गणना सटीक व पारदर्शी परिणाम देते है। ये आकड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को दर्शाते हैं। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. प्राची साहू ने भी संबोधित किया। उन्होंने ई-लिस के सभी पहलुओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। छत्तीसगढ़ पशुधन विकास विभाग के संचालक श्री चंद्रकांत वर्मा ने प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस के उद्देश्य के संबंध में जानकारी दी। प्रशिक्षण कॉन्फ्रेंस में राजीव गांधी नेशनल भूमि जल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के अधिकारी श्री महेश सोन कुसरे, अपर संचालक श्री के.के. ध्रुव सहित जिले स्तर के अधिकारी शामिल थे।

राज्यपाल रमेन डेका ने उत्कृष्ट कार्य के लिए डाइट के प्राचार्य को सम्मानित किया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला प्रवास के दौरान आज उत्कृष्ट कार्य के लिए डाइट के प्राचार्य श्री जे पी पुष्प को कलेक्ट्रेट में शाल और श्रीफल से सम्मानित किया। श्री पुष्प ने 1997 से 2013 तक हायर सेकेण्डरी विद्यालय जैजैपुर में प्राचार्य पद पर रहते हुए विद्यालय को नवाचारी, गतिशील बनाए रखा। इनके कार्यकाल में पूरे विकासखंड के विद्यार्थी इस विद्यालय में अध्ययन करना चाहते थे। इस विद्यालय में विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए कार्यक्रम संपन्न किए जाते थे। दो बार कक्षा 12वीं के विद्यार्थी टॉप 10 में स्थान बनाने में सफल हुए। इस विद्यालय से राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी प्राप्त हुए। शिक्षककीय कार्य में सेना तथा प्रशासनिक सेवा के क्षेत्रों में भी इस विद्यालय से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय स्थान अर्जित किया है। उस समय 2500 विद्यार्थियों की विशाल दर्ज संख्या के लिए शिक्षकों की व्यवस्था करना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना तथा व्यक्तित्व विकास का कार्य करना उस समय के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि रहा।

श्री जे .पी. पुष्प वर्तमान में डाइट पेंड्रा में प्राचार्य के पद पर कार्यरत है। यहां भी जिले के आकांक्षी युवकों के लिए निशुल्क कोचिंग का संचालन कर रहे हैं। साथ ही एनइपी 2020 के अंतर्गत तीन जिले-मुंगेली, बिलासपुर तथा गौरेला पेंड्रा मरवाही में एफएलएन हेतु मार्गदर्शन, कठपुतली नृत्य, डाइट में संसाधनों की व्यवस्था, उल्लास कार्यक्रम का प्रचार प्रसार, मिनी बॉटनिकल गार्डन का विकास, डाइट परिसर का ईसीसीई की थीम पर साज सज्जा करना , शिक्षकों के लिए टीईटी मार्गदर्शन कक्षाओं का आयोजन करना जैसे महत्वपूर्ण कार्य इनके द्वारा किए जा रहे हैं।

राज्यपाल रमेन डेका के हाथों कोरिया में हुआ सम्भाग के पहले स्पेस एजुकेशन लैब का लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज कोरिया जिले के प्रवास के दौरान बैकुंठपुर स्थित शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सम्भाग के पहले स्पेस एजुकेशन लैब का लोकार्पण किया। यह अत्याधुनिक लैब भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के नाम पर समर्पित किया गया है। डीएमएफ मद के सहयोग से स्थापित यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों में अंतरिक्ष, भौतिकी, भूगोल और प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने विद्यालय की छात्राओं से लैब के तकनीकी पक्षों के बारे में जानकारी ली। कक्षा नवमीं की छात्रा अनुजा ने ऐरोहब मॉडल का प्रदर्शन किया, वहीं कक्षा बारहवीं की उन्नति ने वर्चुअल रियलिटी के उपयोग को समझाया। अन्य छात्राओं ने भी अंतरिक्ष से संबंधित उपकरणों और मॉडलों के कार्यों का जीवंत प्रदर्शन किया।

राज्यपाल श्री डेका ने छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है। विज्ञान से होने वाले लाभ और उसके प्रभाव से कोई इंकार नहीं कर सकता। यह लैब न केवल अंतरिक्ष विज्ञान बल्कि अन्य विज्ञान विषयों में भी विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने इस पहल की प्रशंसा करते हुए जिला प्रशासन को बधाई दी और उन्होंने लैब के लिए ड्रोन, स्मार्ट बोर्ड एवं प्रोजेक्टर उपलब्ध कराने की सहमति दी।

धान खरीदी के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल में किसान पंजीयन अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हेतु किसानों का एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। एग्रीस्टैक पोर्टल से संबंधित किसी भी जानकारी या सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 1800-233-1030 पर संपर्क किया जा सकता है।

एग्रीस्टैक पोर्टल भारत सरकार द्वारा विकसित एक यूनिफाइड एग्रीकल्चर डेटाबेस है, जिसमें किसानों का भूमि एवं आधार लिंक्ड पंजीयन किया जाता है। पंजीकरण उपरांत किसानों को एक यूनिक फार्मर आईडी (nique Farmer ID) प्राप्त होती है। यह आधार लिंक्ड डेटाबेस शासन की विभिन्न योजनाओं के लाभ केवल वास्तविक पात्र किसानों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के तहत किसानों को सीधे भुगतान किया जाता है। अतः शासन की मंशा है कि सभी पात्र किसान सुशासन एवं पारदर्शिता के साथ इस योजना का वास्तविक लाभ प्राप्त करें। एग्रीस्टैक में आधार-आधारित पंजीयन और ई-केवाईसी की व्यवस्था से संपूर्ण प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता, सटीकता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित होगा।

गत वर्ष राज्य के 25.49 लाख किसानों ने धान विक्रय किया था। वर्तमान वर्ष में अब तक 21.47 लाख किसानों ने एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीकरण कर लिया है। शेष किसान अपने निकटतम सहकारी समिति या निर्धारित केंद्र में जाकर 31 अक्टूबर 2025 तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। इस संबंध में सभी समितियों और जिला कलेक्टरों को पूर्व में आवश्यक निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि एग्रीस्टैक पोर्टल डिजिटल क्रांति की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा, जो छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी, सटीक और किसान हितैषी बनाएगा।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष राज्य के 20 हजार ग्रामों में से 13 हजार 879 ग्रामों में डिजिटल क्रॉप सर्वे किया गया है। इस डिजिटल क्रॉप सर्वे और मैनुअल गिरदावरी की रिपोर्टों का 2 से 14 अक्टूबर 2025 तक ग्राम सभाओं में पठन किया जा रहा है। इसके लिए प्रत्येक पंचायत में मुनादी कर सूचना दी गई है और सर्वे सूची का पंचायत भवनों में प्रदर्शन (चस्पा) भी किया गया है।

इस कार्यवाही की सतत निगरानी जिला कलेक्टर, खाद्य अधिकारियों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की जा रही है। यह पहल डिजिटल एग्रीकल्चर और गुड गवर्नेंस की दिशा में राज्य का एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है।

एम्बुलेंस बनी जन्मस्थली

108 संजीवनी एक्सप्रेस में गूंजी किलकारी, मां-बेटी दोनों स्वस्थ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बेमेतरा जिले में108 संजीवनी एक्सप्रेस टीम की तत्परता और सूझबूझ ने एक बार फिर मानवता और सेवा भावना की मिसाल पेश की है। रविवार की रात बेरला विकासखंड के ग्राम ढाबा निवासी गर्भवती महिला हेमवती निषाद (26 वर्ष) को अचानक तेज प्रसव पीड़ा हुई। परिजनों ने घबराहट की स्थिति में रात लगभग 10:30 बजे 108 संजीवनी एक्सप्रेस को कॉल किया। सूचना मिलते ही पायलट भूपेन्द्र कुर्रे और ईएमटी रामगोपाल देवांगन तत्काल एम्बुलेंस लेकर गांव ढाबा पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए गर्भवती महिला को सावधानीपूर्वक एम्बुलेंस में बैठाया गया और टीम तेजी से पीएचसी गुधेली की ओर रवाना हुई।

रास्ते में कुछ ही दूरी तय करने के बाद हेमवती की प्रसव पीड़ा असहनीय रूप से बढ़ गई। स्थिति की नजाकत को भांपते हुए ईएमटी रामगोपाल देवांगन ने तत्काल ईआरसीपी के माध्यम से ड्यूटी डॉक्टर से संपर्क कर पूरी स्थिति से अवगत कराया। डॉक्टर की सलाह और परिजनों की सहमति से एम्बुलेंस को सुरक्षित स्थान पर रोका गया और प्रसव प्रक्रिया प्रारंभ की गई। ईएमटी रामगोपाल ने अपने अनुभव और शांतचित्त निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए सफलतापूर्वक प्रसव कराया। कुछ ही क्षणों बाद एम्बुलेंस में नवजात बच्ची की किलकारी गूंज उठी, जिससे पूरे वातावरण में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रसव के पश्चात मां और बेटी दोनों को सुरक्षित रूप से पीएचसी गुधेली में भर्ती कराया गया, जहां दोनों की स्थिति स्वस्थ बताई गई है।

दमउदहरा : प्रकृति, आस्था और इतिहास का अद्भुत संगम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में सक्ती-कोरबा मार्ग पर, सक्ती से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित दमउदहरा (दमाऊधारा) न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम स्थल है, बल्कि यह धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहाँ तक सड़क मार्ग से निजी वाहन या टैक्सी द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है। निकटतम रेलवे स्टेशन सक्ति, जबकि निकटतम हवाई अड्डा रायपुर है।

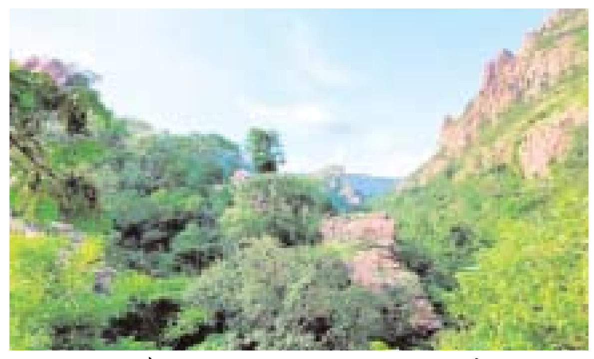

दमउदहरा का प्रमुख आकर्षण इसका सुंदर जलप्रपात है, जो ऊँची पहाड़ियों से झरझर गिरते हुए नीचे बहता है। बरसात के मौसम में यह झरना अपने पूरे सौंदर्य पर होता है। चारों ओर फैली हरियाली, झरने की गूंजती ध्वनि और शीतल वातावरण पर्यटकों को मोह लेता है। आसपास के घने जंगल, प्राकृतिक गुफाएँ और ऊँची पहाड़ियाँ इस स्थल को रोमांच और फोटोग्राफी प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान बना देती हैं।

धार्मिक दृष्टि से दमउदहरा अत्यंत पूजनीय है। यहाँ राम-जानकी मंदिर, राधा-कृष्ण मंदिर, ऋषभदेव जैन तीर्थकर का मंदिर, हनुमान मंदिर, भगवान शिव-पार्वती मंदिर और विष्णु-लक्ष्मी मंदिर जैसे कई पवित्र स्थल स्थित हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीराम अपने वनवास काल में दमउदहरा (गूंजी क्षेत्र) पधारे थे। कहा जाता है कि उन्होंने यहाँ विश्राम और पूजा-अर्चना की थी, जिससे यह क्षेत्र ऋषभ तीर्थ के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

इतिहासकार लोचन प्रसाद पांडेय द्वारा खोजे गए 'गूंजी शिलालेख' का उल्लेख भी इस स्थल के महत्व को और बढ़ाता है। इस शिलालेख में उस समय की धार्मिक गतिविधियों, सामाजिक संरचना और स्थानीय शासन व्यवस्था का विवरण मिलता है, जो दमउदहरा क्षेत्र की प्राचीनता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रमाण है।

हर वर्ष जनवरी महीने में यहाँ भव्य मेला आयोजित होता है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं। विशेष रूप से सूर्य ग्रहण के अवसर पर यहाँ स्नान और पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाता है। इस समय घाटी में साधु-संतों का संगम होता है। एक रोचक दृश्य यह भी देखा जाता है कि सूर्य ग्रहण समाप्त होते ही जंगली बंदर घाटी में उतर आते हैं, जो यहाँ की अनूठी प्राकृतिक घटना बन चुकी है। दमउदहरा पिकनिक और पारिवारिक भ्रमण के लिए भी लोकप्रिय है। लोग यहाँ झरने के पास बैठकर, हरियाली के बीच विश्राम और मनोरंजन का आनंद लेते हैं। मानसून के दौरान झरने में स्नान का अनुभव अविस्मरणीय होता है। प्रकृति, आस्था, इतिहास और रोमांच का यह संगम दमउदहरा को छत्तीसगढ़ का एक विशिष्ट पर्यटन स्थल बनाता है। यह न केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है, बल्कि स्थानीय संस्कृति, परंपरा और अर्थव्यवस्था के विकास में भी इसकी अहम भूमिका है। यहाँ की आध्यात्मिक शांति और प्राकृतिक सौंदर्य हर आगंतुक को एक गहरे, आत्मिक अनुभव से भर देता है।

राज्यपाल ने कोरिया में पीनट बटर हनी फ्लेवर्ड उत्पाद का किया शुभारंभ

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कोरिया जिले में कृषि विज्ञान केंद्र और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से तैयार किया गया पीनट बटर-हनी फ्लेवर्ड उत्पाद का शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री डेका ने उत्पाद की गुणवत्ता, स्वाद और पैकेजिंग की सराहना करते हुए कहा कि यह उत्पाद कोरिया जिले की सृजनात्मक सोच और कृषि नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है। शक्कर की जगह शहद का उपयोग इस पीनट बटर को और भी पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक बनाता है। राज्यपाल ने कहा कि पिछले कोरिया प्रवास के दौरान उन्होंने सोनहनी शहद उत्पाद का भी शुभारंभ किया था। उन्होंने कहा कि यह दूसरा उत्पाद सोनहनी की तरह ही किसानों के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ा कदम है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि इस पहल से किसानों को बेहतर बाजार मूल्य मिलेगा और स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

राज्यपाल रमेन डेका ने बैकुण्ठपुर आकांक्षी ब्लॉक में विकास योजनाओं की समीक्षा की

स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सेवाओं पर विशेष ध्यान, फील्ड निरीक्षण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज कोरिया के कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में बैकुण्ठपुर आकांक्षी ब्लॉक में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। श्री डेका ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि केवल बैठकों और रिपोर्ट पर निर्भर न रहें, बल्कि फील्ड में जाकर वस्तुस्थिति का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र विकास की सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताएँ है। राज्यपाल ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत 40 संकेतकों के अनुसार कार्यों की समीक्षा की।

राज्यपाल ने कहा कि कुपोषण, महिला स्वास्थ्य और कैंसर जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए फील्ड स्तर पर लगातार काम करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी और स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ, साफ पेयजल और शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कुपोषण, एनीमिया जैसी गम्भीर बीमारियों के रोकथाम के लिए लगातार गांवों का दौरा करें और समुचित समाधान करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने ग्रामीणों को बंजर भूमि पर डबरी निर्माण, बागवानी और सब्जी की खेती के माध्यम से जीवन स्तर सुधारने और आर्थिक लाभ बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों के अध्ययन के लिए घरों में विशेष कक्ष तैयार करने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करने की सलाह दी।

फोटो प्रदर्शनी और 'कोरिया अमृत' लोगो का विमोचन: श्री डेका ने कलेक्ट्रेट परिसर में फोटो प्रदर्शनी और आजीविका मिशन स्टाल का अवलोकन किया। उन्होंने स्थानीय उत्पादों के प्रचार के लिए तैयार किए गए 'कोरिया अमृत' लोगो का विमोचन किया। साथ ही रुद्राक्ष का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में लगातार मेहनत और सक्रिय निगरानी जारी रखी जाए।

नन्हे कदमों की बड़ी सफलता: निहारिका और निहाल की सुपोषित यात्रा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत सरकार के पोषण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण सुधार की दिशा में लगातार सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। नारायणपुर जिले के परियोजना छोटेडोंगर अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र धौडाई में जुड़वा बच्चों निहारिका पोयाम और निहाल पोयाम की कहानी इस सफलता का जीवंत उदाहरण बनी है।

जन्म के समय दोनों बच्चों का वजन मात्र 1 किलो और 900 ग्राम था और वे गंभीर कुपोषण की श्रेणी में थे। कमजोर स्वास्थ्य और धीमी विकास दर के कारण परिवार चिंतित था। लेकिन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और राष्ट्रीय पोषण अभियान टीम ने समर्पण और सतत प्रयास से इन बच्चों की जिंदगी में बड़ा बदलाव लाया।नियमित रूप से बच्चों का वजन और ऊँचाई मापी गई, पूरक आहार के साथ अंडा, दूध, फल जैसी पौष्टिक खाद्य सामग्री दी गई। परिवार को संतुलित आहार, स्वच्छता और देखभाल के सही तरीकों की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से बच्चों का नियमित टीकाकरण और आवश्यक दवाएँ भी सुनिश्चित की गई।इन निरंतर प्रयासों का परिणाम आज सबके सामने है निहारिका और निहाल अब पूरी तरह स्वस्थ हैं, उनका वजन सामान्य स्तर पर पहुँच गया है और वे शारीरिक व मानसिक रूप से संतुलित विकास की ओर अग्रसर हैं।

यह सफलता पोषण अभियान की प्रभावशीलता का प्रमाण है, जिसने यह सिद्ध किया कि नियमित देखभाल, संतुलित आहार और सामुदायिक सहयोग से कोई भी बच्चा कुपोषण से सुपोषण की ओर बढ़ सकता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य में पोषण एवं पूरक पोषण अभियान के सकारात्मक परिणामों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार प्रत्येक बच्चे और माँ के स्वस्थ भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता अटलजी के सम्मान में सभी नगरीय निकायों में बना रहे अटल परिसर

विकास कार्यों के लिए साढ़े नौ करोड़ देने की घोषणा की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज जांजगीर-चांपा जिले के चार नगरीय निकायों में तीन करोड़ 16 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित अटल परिसरों तथा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने नवागढ़ में दो करोड़ 49 लाख रुपए की लागत से बनने वाले एसटीपी का भूमिपूजन भी किया। श्री साव ने आज पामगढ़ नगर पंचायत पामगढ़ में 19 लाख 95 हजार रुपए, राहौद नगर पंचायत के बुंदेला चौक में 19 लाख 95 हजार रुपए, खरौद नगर पंचायत में 19 लाख 93 हजार रुपए एवं नवागढ़ नगर पंचायत के हाट-बाजार परिसर में 19 लाख 95 हजार रुपए की लागत से नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। विधायक श्री ब्यास कश्यप तथा पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष श्री नारायण चंदेल भी लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने पामगढ़ नगर पंचायत में भवन निर्माण के लिए एक करोड़ रुपए तथा विभिन्न विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने राहौद नगर पंचायत के लिए दो करोड़ रुपए, खरौद नगर पंचायत के लिए तीन करोड़ रुपए तथा नवागढ़ नगर पंचायत के लिए ढाई करोड़ रुपए देने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगर पंचायत राहौद के वार्ड क्रमांक 8 में सांस्कृतिक भवन लागत 11 लाख रुपए, देवांगन समाज धर्मशाला में अतिरिक्त कक्ष लागत 10 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 15 में सामुदायिक भवन लागत 15 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 10 में पकरिया पारा में स्कूल के पास सांस्कृतिक भवन लागत 10.42 लाख रुपए, नगर पंचायत खरौद में सी.सी. रोड निर्माण कार्य वार्ड क्रमांक 06 व 13 के पांच विभिन्न मार्गों पर 22.45 लाख रुपए की लागत से पूर्ण, वार्ड क्रमांक 13 में पुलिया से मुक्तिधाम तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य लागत 27.41 लाख रुपए, शबरी देवी शिक्षा समिति भवन निर्माण कार्य लागत 9.99 लाख रुपए एवं वार्ड क्रमांक 07 में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 9.83 लाख रुपए, गांधी चौक, मुक्तिधाम, लक्ष्मणेश्वर मंदिर, शीतला मंदिर एवं कंपाटनी मंदिर परिसर में पेवर ब्लॉक कार्य लागत 95.84 लाख रुपए एवं नवागढ़ नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 15 में सांस्कृतिक भवन निर्माण लागत 24.57 लाख रुपए का भी लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता हैं। उनके सम्मान में राज्य के सभी नगरीय निकायों में अटल परिसरों का निर्माण किया जा रहा है। अटलजी ने गांवों, किसानों और नागरिकों के लिए ऐतिहासिक योजनाएं शुरू कीं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांव-गांव तक पहुंच और विकास संभव हो पाया। किसान क्रेडिट कार्ड योजना से ग्रामीण विकास और किसानों को शून्य ब्याज पर ऋण संभव हुआ। उन्होंने ही छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की नींव रखी। आज छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया कहा जाता है, तो उसका श्रेय अटलजी की दूरदृष्टि को जाता है। अटल परिसर उनकी राष्ट्र सेवा, विकास के प्रति दृष्टिकोण और आदर्श मूल्यों को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। श्री साव ने कहा कि यह परिसर केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देने वाला केंद्र बनेगा। हमारी सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की हर एक गारंटी को पूरा करने का काम तेजी से हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार हर वादा पूरा कर रही है, विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण कर रही है।

जुए के फड़ से 2.35 लाख रुपए बरामद

नौगांव के ग्वाल टोली में पुलिस का छापा,जुआरी गिर तार, गैंबलिंग एट में केस

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर की नौगांव थाना पुलिस ने ग्वाल टोली क्षेत्र में जुए के फड़ पर छापा मारकर 8 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 2 लाख 35 हजार रुपए नकद और ताश की गड्डी बरामद की है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक छतरपुर अगम जैन के निर्देश पर जिलेभर में जुआ-सट्टा खेलने एवं संचालित करने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। पिछले दो सप्ताह में पुलिस ने 16 स्थानों पर छापे मारे हैं, जिसमें कुल 101 जुआरियों और सटोरियों के खिलाफ कार्रवाई की गई और 2 लाख 20 हजार रुपए से अधिक की राशि जब्त की गई। पुलिस को ग्वाल टोली, नौगांव में कुछ लोगों के जुआ खेलने की सूचना मिली थी। इसी सूचना पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने दबिश दी, जहां हार-जीत का दांव लगाते हुए 8 व्यक्तियों को रंगे हाथों पकड़ा गया।

गैंबलिंग एक्ट के तहत कार्रवाई

सभी आरोपियों के विरुद्ध पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत कार्रवाई की गई है। मामले की विवेचना जारी है। छतरपुर पुलिस द्वारा जुआ और सट्टा जैसी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध

सख्त अभियान जारी रहेगा।

यह आरोपी हुए गिरफ्तार

गिरफ्तार किए गए जुआरियों में प्रमोद यादव (वार्ड नं. 3, अरविंद आश्रम के पास नौगांव), आशीष पाल (बिलहरी), अमित यादव (वीरेंद्र कॉलोनी नौगांव), जितेंद्र कुमार अनुरागी (मंदिर रोड नौगांव), दीपक रैकवार (बस स्टैंड के पास नौगांव), शैलेंद्र रघुवंशी (वीरेंद्र कॉलोनी नौगांव), शिवम यादव (ग्वाल टोली नौगांव) और केदार तिवारी (तिवारी मोहल्ला नौगांव) शामिल हैं।

इंदौर के डॉक्टर ने छोटे भाई को थार से कुचलवाया, 10 लाख की सुपारी दी; 6 करोड़ की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था

बड़वाह (खरगोन)। जिले में बड़वाह के बलवाड़ा में हत्या की साजिश रचने के केस में फरार डॉक्टर दीपक शर्मा ने बुधवार को बलवाड़ा थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। डॉक्टर पर छोटे भाई की हत्या की साजिश का आरोप है। आरोपी ने पूछताछ के दौरान कबूल किया कि उसने अपने छोटे भाई की हत्या के लिए 10 लाख रुपए की सुपारी दी थी।

आरोपी डॉ. दीपक शर्मा इंदौर के तेजाजी नगर में प्रैक्टिस करता है। उसने पुलिस को बताया है कि वह पेरेंट्स द्वारा पुश्तैनी जमीन छोटे भाई को देने से नाराज था। उसका मकसद 19 बीघा जमीन हड़पना था, जिसकी कीमत 6 करोड़ रुपए है।

जमीन के नामांतरण के बाद उसे अपने छोटे भाई संदीप शर्मा पर शक हुआ, जिसके चलते उसने हत्या की साजिश रची। इसे अंजाम देने की योजना उसने देवास के तनिष रंधावा से बातचीत के बाद बनाई थी, जो उसके पास इलाज के लिए आया था। इसके बाद 29 सितंबर को थार से संदीप को कुचलने की कोशिश की गई।

नपा अध्यक्ष ने किया बाजार का निरीक्षण

अस्पताल के बाहर अतिक्रमण पर दिखाई सख्ती; फर्जी रसीदें बरामद की

शिवपुरी, एजेंसी। दीपावली के समय शिवपुरी में बढ़ी भीड़ और बढ़ते अतिक्रमण की समस्या को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा ने नगर निगम अमले के साथ माधव चौक से लेकर अस्पताल चौराहा और अग्रसेन चौराहा तक पैदल भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें नागले अस्पताल के बाहर फुटपाथ पर चूड़ी-बिछुड़ी की दुकानें सजी हुई मिलीं और कुछ दुकानदारों के पास फर्जी रसीदें बरामद की गईं।

अस्पताल के बाहर अतिक्रमण पर सख्ती: नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि अस्पताल के सामने इस तरह की दुकान जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि इन दुकानों को सीमित दायरे में रखा जाए। मौके पर अतिक्रमण कर रखी दुकानों को अग्रसेन चौराहा से हटवाया गया और खाली गुमठियां भी पुर्नस्थापित की गईं।

रसीदों की जांच की: दुकानदारों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका उनसे वसूली करती है। उन्होंने कुछ रसीदें भी पेश कीं, जिन्हें उन्होंने नगर पालिका द्वारा जारी बताया। नपा अध्यक्ष ने इस पर कहा कि यह अवैध वसूली है और हाल ही में इस ठेके को रद्द कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि कोतवाली में इस मामले की एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

युवक ने लगाई फांसी, रात में दोस्तों से बात की; सुबह फंदे पर लटका मिला, शव के पास बैठ विलाप करते रहे पिता

रायसेन, एजेंसी। शहर की कलेक्ट्रेट कॉलोनी वार्ड चार में एक 18 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह उसका शव अपने कमरे में लकड़ी की बल्ली से लटका मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। आत्महत्या का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार, शुभम (18), पिता बरन सिंह यादव, ने अपने घर में यह कदम उठाया। बुधवार सुबह जब उसके पिता बरन सिंह और मामा ने उसका कमरा बंद देखा और कोई आवाज नहीं आई, तो उन्होंने छत से चद्दर हटाकर देखा। इस दौरान शुभम फांसी के फंदे पर लटका मिला।

परिजनों ने तुरंत कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, पंचनामा बनाया और शव को नीचे उतारकर जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए पहुंचाया। इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक शुभम के पिता अपने बेटे के शव के पास बैठकर लगातार विलाप करते रहे। वार्ड के पार्षद दीपक थोराट ने बताया कि मृतक शुभम ने मंगलवार रात मोहल्ले के लड़कों के साथ बैठकर सामान्य बातचीत की थी। इसके बाद वह घर चला गया और सुबह फंदे पर लटका मिला। शुभम दो भाई थे, उसका एक छोटा भाई भी है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर बताई जा रही है।

केबल चोरी में दो पक्षों में मारपीट, आठ घायल, शाजापुर में रास्ता रोक कर किया हमला; क्रॉस मामला दर्ज

शाजापुर (उज्जैन), एजेंसी। शाजापुर जिले के बेरछा थाना क्षेत्र के ग्राम बेसरापुर में केबल चोरी के मामले में मंदिर में कसम खिलाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। मारपीट में दोनों पक्षों के आठ लोग घायल हो गए। इनमें से एक को इंदौर रेफर किया गया है। बेरछा पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस मामला दर्ज कर लिया है। बेरछा थाना प्रभारी भरत किरार ने बताया कि फरियादी मेहरबान सिंह चौहान की शिकायत पर धर्मेन्द्र उर्फ राजा सैंधव, पवन गुर्जर, अदित सैंधव, दयाराम, अर्जुन, विकास, राजकुमार, जितेन्द्र और महेन्द्र सैंधव समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं व एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। मेहरबान सिंह ने बताया कि जितेन्द्र सैंधव ने चोरी का आरोप लगाया था। रात करीब 7-20 बजे कुल्हाड़ी लेकर घर के सामने आकर गाली-गलौज करने लगा। रोकने पर भतीजे अजय के सिर पर वार कर दिया। बाद में जब शिकायत करने थाने जा रहा था, तब आरोपी पक्ष ने खेत के पास रास्ता रोककर लाठियों और डंडे लेकर टूट पड़े। वहीं, ग्राम बेसरापुर निवासी जितेंद्र पिता रतन सिंह (35) के खेत पर लगी लाइट की केबल 5 अक्टूबर को चोरी हो गई थी। मामले में गांव के कुछ लोगों पर शक था, जिसके चलते उन्हें मंदिर में ले जाकर सौगंध खिलवाई गई थी। 7 अक्टूबर की शाम करीब 7-30 बजे जितेंद्र खेत पर नई केबल देखने गए थे। लौटते समय रमेश के घर के सामने मानसिंह पिता पीरूलाल और गोवर्धन सिंह पिता बलदेव सिंह ने रास्ता रोक लिया।

उन्होंने जितेंद्र से पूछा कि वह चोरी के मामले में उनका नाम क्यों ले रहा है। यह कहते हुए गाली-गलौज करने लगे। इसी दौरान मेहरबान सिंह पिता कैसाजी, दिलीप पिता दरियाव सिंह और अजय पिता गोवर्धन भी आ गए। उन्होंने जितेंद्र के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस जितेंद्र के सिर पर छोटी सब्बल जैसी लोहे की वस्तु से वार किया गया। घायल जितेंद्र को जिला अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने एक पक्ष की शिकायत पर पांच नामजद और दूसरे पक्ष की शिकायत पर नौ नामजद समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अवैध शराब की बिक्री से लोग परेशान

पुलिस से बोले- नशे में करते हैं अभद्रता; बीजेपी नेता ने भी एसपी को पत्र लिखा

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम में अवैध शराब को लेकर शहरवासी परेशान हैं, जिसे लेकर मंगलवार को बुधवाड़ा रोड हरदा बायपास श्रीरंग कॉलोनी के रहवासी देहात थाने पहुंचे। रहवासियों ने शराबियों और अवैध शराब बेचने वालों की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

रहवासियों ने कहा हरदा बायपास स्थित बुधवाडा रोड शराबियों का अड्डा बन गया है। शाम होते ही यहां शराबी आते हैं और रोड के पास स्थित खाली पड़े प्लाटों पर बैठते हैं और घंटों तक शराब पीते रहते हैं। इस दौरान वहां से गुजरने वाले लोगों और महिलाओं के साथ अभद्रता भी करते हैं। इस मार्ग पर इस तरह की असामाजिक घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पूर्व सैनिक के साथ अभद्रता

रहवासियों ने पुलिस को बीते दिनों हुई घटना के बारे में भी बताया। कहा कि कॉलोनी में रहने वाले पूर्व सैनिक और जिला पूर्व सैनिक संगठन के उपाध्यक्ष किशोर कुमार के साथ कुछ शराबियों ने झूमा झटकी की। शराबियों ने उनसे चेन, पर्स और मोबाइल छीनने की कोशिश की। जब उन्होंने विरोध किया तो उनके साथ झूमा झटकी भी की है। कालोनी निवासियों ने बताया कि इसके पहले भी इस प्रकार की घटनाएं हो चुकी हैं।

चौराहे पर अवैध शराब की बिक्री

रेवा सिटी के सामने वाले चौराहे पर ही कुछ लोगों द्वारा अवैध शराब खुलेआम बेची जा रही है। शराबी वहीं से शराब लेकर सड़क किनारे और खाली पड़े प्लाटों पर जाते हैं। उनके महफिलें देर रात तक चलती रहती हैं।

थाना प्रभारी पांडे ने लोगों की समस्या को गंभीरता से सुना और करवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि आज से ही उस क्षेत्र में नियमित गश्त की जाएगी और संदिग्धों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी मंडल अध्यक्ष ने अवैध शराब बिक्री बंद कराने की मांग

इधर, भाजपा नर्मदापुरम मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत ने सोमवार को नगर में अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने एसपी को पत्र लिखा। पत्र में उन्होंने बताया कि कई क्षेत्रों में शराब माफिया सक्रिय हैं और गली-मोहल्लों में अवैध शराब बिकने से अपराध बढ़ रहे हैं। राजपूत ने कहा कि इस विषय पर पूर्व में भी पत्र दिया गया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अवैध शराब पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया, तो अपराधों में और वृद्धि होगी।

बेटा ही निकला पिता का हत्यारा, फरार

पीएम रिपोर्ट में खुलासा- लट्ठ से हाथ-पैर तोड़े

खंडवा, एजेंसी। 62 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने के मामले में हत्या की पुष्टि हो गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि बुजुर्ग के शरीर पर मृत्यु पूर्व चोट के निशान मिले थे। लट्ठ से वार करके हाथ-पैर तोड़ दिए गए, यहां तक सीने और पेट की हड्डियां भी फैक्चर पाई गई। काफी ज्यादा ब्लड बहने के बाद दम तोड़ा हैं। पुलिस ने मृतक के बेटे को हत्या का आरोपी बनाया है।

यह है पूरा मामला: दरअसल, एक अक्टूबर को थाना पंधाना क्षेत्र में महादेव बाबा के जंगल में एक व्यक्ति का शव मिला था। सड़ी-गली लाश मिलने के बाद पुलिस ने शिनाख्त की तो अस्तरिया गांव निवासी मोहन पिता उदिया जमरे (62) के रूप में मृतक की पहचान हो सकीं।

पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया। प्रारंभिक जांच और पूछताछ के दौरान ही पता चला कि मृतक का उसके बेटे से विवाद चल रहा था। बेटे ने ही पिता को मौत के घाट उतारा है। मृतक के चार बेटे है, तीन बेटों ने अपने एक भाई के खिलाफ बयान दिए।

पीएम रिपोर्ट के बाद बेटे पर केस: हालांकि, 7 अक्टूबर को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने मृतक मोहन के बेटे सुमेर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हत्या का आरोपी सुमेर फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। उसने लाश मिलने के एक दिन

पहले यानी 30 सितंबर को ही वारदात को अंजाम दिया था।

मृतक के दूसरे बेटे और आरोपी के भाई रमेश और कमल ने अपने बयान में कहा था कि 30 सितंबर की रात 8.30 बजे आरोपी सुमेर ने पिता मोहन के साथ मारपीट की थी। तब से आरोपी सुमेर फरार हो गया।

चार भाईयों के बीच एक एकड़ जमीन थी: परिजनों ने बताया कि मोहन के चार बेटे है, इनमें आरोपी सुमेर भी है। जो कि नशे आदी है। उसकी दो शादियां हो चुकी है। एक पत्नी की मौत हो गई। नशे की हालत में रहने वाला सुमेर रिश्तेदार महिलाओं पर भी गंदी नजर रखता था।

चार भाईयों के बीच एक एकड़ जमीन थी। बाकी तीनों भाई मजदूरी करते है। खेती पिता के पास थी। लेकिन आरोपी सुमेर मजदूरी न करके शराब पीता था और जमीन को लेकर पिता से आए दिन झगड़ा करता था।

मकान में घुसी ढाई फीट लंबी नागिन

पलंग पेटी के नीचे छिपी बैठी थी, रेस्क्यू कर पकड़ा तो मारी फुफकार

सागर, एजेंसी। सागर के पुरव्याऊ टोरी इलाके में स्थित एक मकान में कोबरा प्रजाति की नागिन घुस गई। परिवार के लोगों ने घर में सांप देखा तो हड़कंप मच गया। उन्होंने मामले की सूचना स्नेक कैचर बबलू पवार को दी। स्नेक कैचर मौके पर पहुंचे और सांप का रेस्क्यू शुरू किया। कुछ देर की मशक्कत के बाद सांप को पकड़ लिया गया।

दरअसल, पुरव्याऊ टोरी निवासी शैलेष चौरसिया के मकान में रात के समय सांप था। परिवार के सदस्य कमरे में पहुंचे तो सांप देखा। जिसके बाद वह घर से बाहर आ गए। सूचना पर स्नेक कैचर बबलू पवार मौके पर पहुंचे और सांप का रेस्क्यू शुरू किया। सांप घर के कमरे में रखी पलंग पेटी के नीचे छिपा बैठा था। जिसे रेस्क्यू कर पकड़ा गया। जैसे ही स्नेक कैचर ने सांप को पकड़ा तो उसने गुस्से में

फुफकार मारी।

स्नेक कैचर बबलू ने बताया कि रेस्क्यू में पकड़ाया सांप कोबरा प्रजाति की नागिन है जो करीब ढाई फीट लंबी है। कोबरा प्रजाति की नागिन बेहद जहरीली होती है। यदि किसी को डस ले तो उसकी जान जा सकती है। लोगों को अपने घरों के आसपास साफ-सफाई रखना चाहिए। अंधेरे में आवागमन करते समय सावधानी बरतना चाहिए और उजाले का उपयोग करना चाहिए।

दीपावली से पहले पटाखा गोदामों की जांच

संचालकों से पूछा आग बुझाने के क्या संसाधन है

रतलाम, एजेंसी। दिवाली त्योहार के मद्देनजर मंगलवार को जिला और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने पटाखा गोदामों का औचक निरीक्षण किया। अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव और एएसपी राकेश खाखा के नेतृत्व में टीम ने गोदामों पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था और आग से बचाव के इंतजामों की जांच की। इस दौरान कर्मचारियों से फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशमन यंत्र) चलवाकर भी देखे गए।

पलसोड़ी सहित कई गोदामों पर पहुंचे अफसर

अफसरों की टीम ने सागोद रोड, आलनिया और पलसोड़ी में स्थित पटाखा गोदामों पर पहुंचकर जांच की। यहां टीम ने विस्फोटक सामग्री के सुरक्षित भंडारण के मानकों, बिजली की वायरिंग और फायर सिस्टम का परीक्षण किया। संचालकों को निर्देश दिए गए कि गोदाम के आसपास वेल्डिंग या अन्य ज्वलनशील गतिविधियां पूरी तरह प्रतिबंधित रहें।

फायर एग्जिट कैसे यूज किया जाता है

कर्मचारियों से चलवाकर देखे फायर एक्सटिंग्विशर

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गोदामों पर मौजूद कर्मचारियों से फायर एक्सटिंग्विशर को चलाने का तरीका पूछा। इसके बाद उनसे यंत्र को चलवाकर भी देखा गया ताकि आपात स्थिति में उनकी तैयारी परखी जा सके।

इन 5 बिंदुओं पर की गई मुख्य जांच

- गोदामों में फायर एक्सटिंग्विशर, रेत और पानी की बाल्टियां हैं या नहीं।
- विद्युत कनेक्शन सुरक्षित और मानकों के अनुसार है या नहीं।
1गोदाम के बाहर धूम्रपान निषेध के बोर्ड लगे हैं या नहीं।
- पटाखों का भंडारण निर्धारित मात्रा के अनुसार किया गया है या नहीं।
- शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन किया जा रहा है या नहीं।
- यह अधिकारी रहे टीम में शामिल करें।

अस्पताल में महिला के शव से छेड़छाड़ का वीडियो

बुरहानपुर में घसीटकर साथ ले गया युवक, फिर वापस रखा; डेढ़ साल बाद केस दर्ज

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर में महिला के शव से छेड़छाड़ के मामले में एक युवक को हिरासत में लिया गया है। उसने स्ट्रेचर पर रखे शव को छुआ। फिर उसे घसीटता हुआ ले गया। कुछ देर बाद वापस रख गया। पूरी घटना अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है।

मामला खकनार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का है। घटना 18 अप्रैल 2024 की सुबह लगभग 6-45 बजे से 7-05 बजे के बीच हुई।

प्रभारी बीएमओ की शिकायत पर खकनार थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक संदेही को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

सीसीटीवी फुटेज में यह दिखा: सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा

है कि सीएचसी के पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर स्ट्रेचर पर महिला का शव रखा है। यहां एक युवक आता है। वह इधर-उधर देखता है। फिर महिला के शव की तरफ झुकता है। वापस इधर-उधर देखता है। फिर शव से छेड़छाड़ करने लगता है। थोड़ी देर बाद उसे घसीटते हुए अपने साथ ले जाता है। कुछ देर बाद वह शव को स्ट्रेचर के पास जमीन पर रखकर लौट जाता है।

कलेक्टर ने बनाई थी जांच कमेटी: करीब एक हफ्ते पहले सीसीटीवी फुटेज की जांच करते हुए टेक्निकल टीम को महिला के शव से छेड़छाड़ का वीडियो दिखा। उन्होंने प्रभारी बीएमओ आद्या डावर को जानकारी दी। मामला कलेक्टर हर्ष सिंह तक पहुंचा। उन्होंने एक समिति बनाकर जांच करने के आदेश दिए।

समिति ने वीडियो की सच्चाई जांची। घटनास्थल का वेरिफिकेशन कराया। अस्पताल का रिकॉर्ड खंगाला। मंगलवार को कलेक्टर को अपनी रिपोर्ट सौंपी।

प्रभारी बीएमओ ने की शिकायत: रिपोर्ट के आधार पर प्रभारी बीएमओ आद्या डावर ने खकनार थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपा। पुलिस ने मंगलवार रात 11:49 बजे केस दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने बताया- पुराना वीडियो होने के कारण आरोपी की पहचान नहीं हो पा रही थी। पुलिस ने अस्पताल के रिकॉर्ड खंगाले। वारदात के वक्त अस्पताल में भर्ती मरीजों की जानकारी ली गई। उनके अटेंडर लॉग, विजिटर रिकॉर्ड मिलाए गए। जांच में पुष्टि हुई कि आरोपी एक मरीज के साथ अस्पताल आया था। पुलिस ने अस्पताल में आने-जाने का वीडियो देखकर आरोपी की पहचान की।

नंदिनी शर्मा सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में चंडीगढ़ टीम का करेंगी नेतृत्व

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ महिला क्रिकेट टीम 9 से 19 अक्टूबर, 2025 तक रायपुर में होने वाली सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। टीम का नेतृत्व नंदिनी शर्मा कर रही हैं, 15 सदस्यीय टीम में आराधना बिष्ट, मोनिका पांडे, पारुषी प्रभाकर, सारा महाजन, तानिया भाटिया, पलक राणा, गुलनाज ग्रेवाल, शिवांगी यादव, उर्वशी सैनी, कुमारी शिबी, रजनी देवी, मोनिका बिश्नोई, ज्योति कुमारी और प्रियंका गुलेरिया शामिल हैं। रायपुर में चंडीगढ़ के मैच रेलवे (9 अक्टूबर), गोवा (11 अक्टूबर), झारखंड (13 अक्टूबर), असम (15 अक्टूबर), दिल्ली (17 अक्टूबर) और उत्तराखंड (19 अक्टूबर) के खिलाफ खेलने तय हैं।

कमिंस एशेज के पहले मैच से बाहर होते हैं तो यह खिलाड़ी ले सकता है जगह - साइमन कैटिच

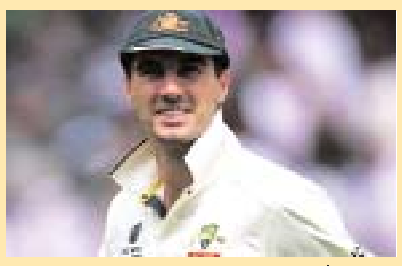

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर और कोच साइमन कैटिच का मानना है कि चोटिल ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की जगह एशेज के पहले मैच में स्कॉट बोलैंड सबसे संभावित विकल्प हैं। नियमित कप्तान पीठ के निचले हिस्से में खिंचाव के कारण 21 नवंबर को पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट मैच से बाहर रहेंगे। संभावना है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ पूरी टेस्ट सीरीज भी नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि स्कैन से पता चला है कि उनकी पीठ में खिंचाव की समस्या अभी ठीक नहीं हुई है। कैटिच ने कहा, देखिए, अगर कमिंस नहीं खेलते हैं तो मुझे लगता है कि स्कॉट बोलैंड टीम में शामिल होने वाले पहले खिलाड़ी होंगे। मुझे लगता है कि इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन इससे देश भर के कुछ अन्य युवा तेज गेंदबाजों को एक शानदार मौका मिलेगा। बोलैंड के बाद कैटिच क्वींसलैंड के माइकल नेसर पर विचार कर रहे हैं, जो अक्सर अगले स्थान पर रहे हैं। वहीं विक्टोरिया के फर्गस ओ नील भी 2024/25 शेफील्ड शील्ड प्लेयर ऑफ द सीजन का पुरस्कार जीतने के बाद एक संभावित उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा, मेरा मतलब है, आप माइकल नेसर को नजरअंदाज नहीं कर सकते जिन्होंने क्वींसलैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। फिर युवा विक्टोरियन फर्गस ओ नील हैं, जिन्होंने साल की शुरुआत में नॉट्स के लिए इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन किया था और जाहिर है कि उन्होंने पिछले कुछ सालों में विक्स के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है, वह सिर्फ 24 साल के हैं और उन पर काफी आरोप हैं। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी की गहराई का और जायजा लेते हुए कैटिच ने सुझाव दिया कि चयनकर्ता दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के हेनरी थॉर्नटन पर विचार कर सकते हैं क्योंकि उनकी शैली कमिंस से मिलती-जुलती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि न्यू साउथ वेल्स का एक युवा खिलाड़ी हो सकता है जो अभी दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में है और जिसने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला है, अगर यह इस बात का कोई संकेत है कि चयनकर्ता क्या सोच रहे होंगे। यह हेनरी थॉर्नटन हैं, अब 28 साल के हैं, लेकिन अनुभवहीन होने के बावजूद अभी भी युवा हैं।

93वां वायुसेना दिवस : तेंदुलकर समेत भारतीय क्रिकेटर्स ने किया आसमान के रक्षकों को सलाम

नई दिल्ली, एजेंसी । 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर भारतीय क्रिकेट जगत ने वायुसेना के वीर योद्धाओं को शुभकामनाएं दी हैं। विश्व के महानतम बल्लेबाजों में शुमार सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 1.4 अरब से ज्यादा भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं को उड़ान देते हुए, भारतीय वायु सेना साहस और समर्पण के साथ हमारे राष्ट्र की रक्षा करती है और उसे और ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करती है। सचिन तेंदुलकर साल 2010 में वायु सेना के मानद ग्रुप कैप्टन बने थे। ऐसा सम्मान पाने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं।

उन्होंने लिखा, इंडियन एयरफोर्स का हिस्सा बनकर गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है। भारतीय वायु सेना दिवस की शुभकामनाएं! जय हिंद!

भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने लिखा, हमारे आसमान के रक्षकों को सलाम!

अपनी विस्फोटक सलामी बल्लेबाजी के लिए भारतीय

क्रिकेट जगत में पहचान बनाने वाले शिखर धवन ने एक्स पर लिखा, दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वायु सेनाओं में से एक का जश्न मनाते हुए आकाश के असली मालिकों को सलाम।

93वें भारतीय वायुसेना दिवस पर खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर को याद किया गया। इस समारोह में देश के जांबाजों को ऑपरेशन सिंदूर में उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित किया गया।

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी, जिसके बाद 7 मई को भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू की गई, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया गया। 93वें भारतीय वायुसेना दिवस के मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान समेत चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने हिंडन एयरबेस पहुंचकर कार्यक्रम में शिरकत की।

समारोह में वायु सैनिकों ने भव्य मार्च पास्ट किया। लड़ाकू विमान रनवे पर प्रदर्शित किए गए। इसके साथ ही भारत की हवाई ताकत और उसकी सटीकता को पूरी दुनिया के सामने दिखाया गया।

महिला विश्व कप : बांग्लादेश की राह का रोड़ा बनीं हिदर नाइट, 4 विकेट से जीती इंग्लैंड

गुवाहाटी, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के आठवें मुकाबले में इंग्लैंड ने बांग्लादेश को 4 विकेट से हरा दिया। बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में 179 के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने 46.1 ओवर में 6 विकेट पर 182 रन बनाकर जीत हासिल की। 179 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने 29 के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को खो दिया। इसके बाद हिदर नाइट और कप्तान नट सेवियर ब्रंट के बीच तीसरे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी हुई। ब्रंट 32 रन बनाकर आउट हुईं। ब्रंट का विकेट गिरने के बाद तीन विकेट लगातार गिरे। 103 के स्कोर पर इंग्लैंड ने अपने 6 विकेट गंवा दिए। इस समय लग रहा था कि बांग्लादेश इंग्लैंड पर अपनी पहली जीत दर्ज करते हुए बड़ा उलटफेर कर सकती है। लेकिन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आईं हिदर नाइट और चार्ली डिन ने अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल किया और 79 रन की नाबाद साझेदारी करते हुए टीम को 4 विकेट से जीत दिला दी। हिदर नाइट 111 गेंद पर 1 छक्का और 8 चौके की मदद से 79

और चार्ली डिन 56 गेंद पर 27 रन बनाकर नाबाद रहीं।

फाहिमा खातून ने 3, मारूफा अख्तर ने 2, और संजीदा अख्तर मेघला ने 1 विकेट लिए।

इससे पहले टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश 49.4 ओवर में 178 पर सिमट गई थी। सोभना मोस्टरी ने सर्वाधिक 60 रन बनाए। सोभना ने 108 गेंद की पारी में 8 चौके लगाए। मोस्टरी की अर्धशतकीय पारी की बदौलत ही टीम 178 रन तक पहुंच सकी। सलामी बल्लेबाज शर्मीन अख्तर ने 52 गेंद पर 30 रन की पारी खेली। नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी राबिया खातून ने 43 रन की बेहद अहम पारी खेली। राबिया ने 27 गेंद की अपनी पारी में 6 चौके और 1 छक्का लगाया।

इंग्लैंड की तरफ से बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टन सबसे बेहतरीन गेंदबाज रहीं। सोफी ने 10 ओवर में 24 रन देकर 3 खिलाड़ियों को आउट किया। चार्ली डीन ने 10 ओवर में 28 रन देकर 2 और एलिस कैप्सी ने 7.1 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए। लिन्से स्मिथ ने भी 9 ओवर में 33 रन देकर 2 विकेट लिए। लॉरेन बेल को 1 विकेट मिला।

पृथ्वी शॉ फिर विवादों में, मुंबई के खिलाड़ियों से भिड़े

पुणे, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ एक बार फिर से विवादों में हैं। मुंबई और पुणे के बीच खेले गए एक अभ्यास मैच में पृथ्वी मुंबई टीम के खिलाड़ी से भिड़ गए। शॉ पहले मुंबई की तरफ से खेला करते थे। जानकारी के मुताबिक मैच बिल्कुल शांति के साथ खेला जा रहा है। मुशीर खान द्वारा 220 गेंदों पर 181 रन बनाने वाले शॉ का विकेट लेने के बाद खिलाड़ियों के बीच झड़प हो गई। जैसे ही बल्लेबाज मैदान से बाहर गया, पुणे के कुछ खिलाड़ियों ने उन पर गाली-गलौज की। शॉ भी गाली-गलौज के बाद मुशीर की ओर बल्ला लेकर आगे बढ़े। अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों ने बीच-बचाव किया। शॉ, जिन्होंने कुछ जोरदार हिट लगाए और मुशीर की गेंद पर स्लॉग स्वीप करने की कोशिश में डीप फाइन लेग पर कैच आउट हो गए, ने अपने पूर्व मुंबई साथी सिद्धेश लाड के साथ बहस की और थोड़े आक्रामक भी दिखे।

पृथ्वी शॉ ने भारत के लिए पांच टेस्ट, छह वनडे और एक टी20 मैच खेला। वह भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में भी पिछले साल उनका प्रदर्शन थोड़ा बिगड़ गया। इसके बाद पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज ने मुंबई रणजी ट्रॉफी टीम में अपनी जगह खो दी। इसके बाद उन्होंने टीम बदल दी। उन्होंने मुंबई से एनओसी ले ली है और आगामी सीजन में पुणे का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस मुद्दे पर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन और महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन ने कोई बयान जारी नहीं किया है। इसे अति उत्साही खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प बताकर मामले को कमतर आंका जा रहा है।

शॉ ने इससे पहले 140 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया और दिन का खेल समाप्त होने तक 181 रन बनाए, जिससे महाराष्ट्र ने पुणे में खेले जा रहे मैच के पहले दिन 400 का आंकड़ा पार किया। पृथ्वी शॉ पहले भी विवादों की वजह से चर्चा में रहे हैं।

50वीं अखिल भारतीय महाराजा अग्रसेन ट्रॉफी अंडर-17 टूर्नामेंट 28 अक्टूबर से, खेल मंत्री गौरव गौतम होंगे मुख्य अतिथि

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ में हरियाणा के खेल, युवा सशक्तिकरण एवं कानून मंत्री गौरव गौतम से मुलाकात की। और 28 अक्टूबर (मंगलवार) शाम टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, सेक्टर-3, पंचकूला में 50वीं अखिल भारतीय श्री महाराजा अग्रसेन ट्रॉफी अंडर-17 बालक टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह के लिए आमंत्रित किया। गौरव गौतम, मंत्री ने हमारा निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और उन्होंने कहा है कि मैं ज़रूर आऊँगा। हरियाणा स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन (पंजीकृत) के महासचिव अमरजीत कुमार के अनुसार, आगामी 50वें अखिल भारतीय अंडर-17 बालक क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 15 टीमें अपनी भागीदारी की पुष्टि करेंगी। टूर्नामेंट टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, पंचकूला, आई.वी.सी. ए. क्रिकेट ग्राउंड और इंद्रजीत क्रिकेट ग्राउंड, डेराबस्सी और बीबीएन क्रिकेट ग्राउंड, कैंबवाला, चंडीगढ़ में खेला जाएगा। अमरजीत कुमार के अनुसार, नेपाल, श्रीलंका, बिहार, दिल्ली, उत्तरांचल, पंजाब, विदर्भ, महाराष्ट्र, हिमाचल, चंडीगढ़ और हरियाणा से कुल 15 अंडर-17 बालक क्रिकेट टीमें भाग लेंगी हरियाणा स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) महासचिव अमरजीत कुमार के अनुसार हरियाणा स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) का मुख्य उद्देश्य इस टूर्नामेंट के आयोजन के माध्यम से जूनियर क्रिकेटरों को निखारना और उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों/पिछड़े/गरीब खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने और विदेशी व अंतर्राष्ट्रीय टीमों के खिलाफ

बड़े मैदानों में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना है। हरियाणा स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) 2005 से पिछले 21 वर्षों से हरियाणा और पूरे भारत में जमीनी स्तर पर जूनियर पुरुष और महिला क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए क्रिकेट के खेल के प्रचार और विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। टूर्नामेंट के सभी मैच सफेद गेंद और रंगीन पोशाक से खेले जाएंगे इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों को दो पूलों में विभाजित किया जाएगा सभी टीमें कम से कम 4 लीग मैच खेलेंगी और प्रत्येक पूल की शीर्ष 2 टीमें सेमीफाइनल फाइनल चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। टूर्नामेंट के सभी मैच टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, पंचकूला, आईवीसीए क्रिकेट ग्राउंड और इंद्रजीत क्रिकेट ग्राउंड, डेराबस्सी और बाबा बालक नाथ क्रिकेट ग्राउंड, कैंबवाला, चंडीगढ़ और चंडीगढ़ टर्फ विकेटों पर खेले जाएंगे फाइनल मैच और पुरस्कार वितरण समारोह 31 अक्टूबर को टीडीएल क्रिकेट स्टेडियम, पंचकूला में होगा।

टूर्नामेंट के सभी मैच 25-25 ओवर के खेले जाएंगे बीसीसीआई योग्य अंपायर, स्कोरर तकनीकी अधिकारियों के साथ क्रिक हीरो साइट पर ऑनलाइन स्कोरिंग होगी। टूर्नामेंट के आयोजन महासचिव अमरजीत कुमार के अनुसार हर मैन ऑफ द मैच अवार्ड, विजेता और उपविजेता टीमों को आकर्षक ट्रॉफी, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक, सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर और सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर साथ में क्रिकेट उपकरणों के साथ पुरस्कार भी हरियाणा स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) आयोजन समिति द्वारा दिए जाएंगे।

शिखर धवन ने युजवेंद्र चहल का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट का बड़ा नाम रहे पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं और फैंस से जुड़े रहते हैं। दोनों एक बार फिर इंस्टाग्राम पर एक मजेदार रील बनाकर चर्चा में हैं। धवन और चहल की नई रील में क्लासिक बॉलीवुड हास्य का तड़का लगा है जिसे देख फैंस हंसने को मजबूर हैं। वायरल वीडियो में, धवन चहल को उनकी तीसरी मां से मिलवाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसका किरदार सोफी शाइन ने निभाया है। अपने चंचल व्यक्तित्व के अनुरूप, धवन ने अमरीश पुरी का मशहूर डायलॉग, तेरी भी शादी करा देंगे, मजाकिया अंदाज में बोला। इस डायलॉग के बाद चहल का रिएक्शन अजीब है। चहल ने बेहद शर्मीली और मासूम प्रतिक्रिया दी है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, एक बार फिर दूल्हा बनने का मन है बेटा...तू रुक जा थोड़ा। रील में धवन की शरारत और चहल की मासूमियत को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। रील शेयर किए जाने के कुछ घंटों के भीतर ही सोशल मीडिया पर धूम मचा रही है। फैंस रील को लाइक कर रहे हैं, कमेंट कर रहे हैं, और शेयर कर रहे हैं। प्रशंसकों ने दोनों की स्वाभाविक कॉमिक टाइमिंग की तारीफ की है। फैंस का कहना है कि धवन और चहल अपना कॉमेडी शो भी कर सकते हैं। शिखर धवन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। अपने जीवंत व्यक्तित्व और सकारात्मक ऊर्जा के लिए जाने जाने वाले धवन ने अपने हास्यप्रद और दिल को छू लेने वाले कंटेंट से एक बड़ा प्रशंसक वर्ग तैयार किया है।

नीरज चोपड़ा ने स्विट्ज़रलैंड में पूरी की रिकवरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने बताया कि वे स्विट्ज़रलैंड में अपनी रिकवरी पूरी कर अगले सत्र में और बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। इस साल चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने इससे बहुत कुछ सीखा और अनुभव तथा आत्मविश्वास भी बढ़ाया। हरियाणा के इस एथलीट ने इस साल दोहा में 90 मीटर की दूरी पार की, लेकिन विश्व चैम्पियनशिप में पदक नहीं जीत सके। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीत चुके नीरज ने कहा, ÷बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश हमेशा रहती है और यही प्रेरित करती है। अब मेरा फोकस रिकवरी और अगले सत्र में मजबूती के साथ वापसी पर है। शरीर अच्छा महसूस कर रहा है और थोड़े आराम और रिकवरी के बाद मैं बेहतर वापसी कर सकूंगा।÷

नीरज ने स्विट्ज़रलैंड की खूबसूरती और प्रशिक्षण सुविधाओं की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उन्हें स्विस पहाड़, हरियाली, इंटरलाकेन से बर्न्स और लुसाने तक की ट्रेन यात्राएँ बेहद पसंद हैं। उन्होंने याद किया कि 2022 में स्विट्ज़रलैंड ने उन्हें 'दोस्ती दूत' बनाया और जुंगफ्राउजोच के 'आइस पैलेस' में सम्मानित किया, जहाँ पहले टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय सम्मानित हो चुके हैं।

अगले सीजन में दमदार वापसी के लिए तैयार

नीरज ने कहा, मैंने ज्यूरिख में डायमंड लीग ट्रॉफी (2022) जीती, जो मेरे लिए खास है। मैग्लिंगन में मैंने स्विस ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास किया और बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप से पहले भी वहीं ट्रेनिंग की थी, जहाँ मैंने स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा मैंने परिवार और दोस्तों के साथ स्विट्ज़रलैंड का आनंद लिया। यह देश मुझे हमेशा याद रहेगा।÷ नीरज ने यह भी स्पष्ट किया कि वे भारत से बाहर रहते हैं क्योंकि अधिकांश प्रतिस्पर्धाएँ विदेशों में होती हैं, खासकर यूरोप में। भारत में रहते हुए यात्रा और अभ्यास के साथ शेड्यूल बहुत व्यस्त हो जाता है, लेकिन स्विट्ज़रलैंड में उन्हें अभ्यास और रिकवरी दोनों के लिए सुविधा मिलती है।

टेम्बा बावुमा का बड़ा मिशन: केन विलियमसन से सीखकर भारत को हराने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा भारत दौरे से पहले गंभीर तैयारी में जुट गए हैं। अक्टूबर–नवंबर 2025 में होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के लिए वे न्यूज़ीलैंड की 2024 की ऐतिहासिक जीत से प्रेरणा ले रहे हैं। बावुमा ने कहा कि वह भारत में सफलता के गुर सीखने के लिए केन विलियमसन से सलाह लेना चाहेंगे। बावुमा ने माना कि भारत जैसी मजबूत टीम को उसके घरेलू मैदान पर हराना बेहद मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि न्यूज़ीलैंड ने भारत में जो प्रदर्शन किया, वह सभी विदेशी टीमों के लिए प्रेरणादायक है। कप्तान का मानना है कि सही रणनीति और आत्मविश्वास के साथ दक्षिण अफ्रीका भी बड़ा कारनामा कर सकता है। बावुमा ने खुलासा किया कि वह व्यक्तिगत तौर पर विलियमसन से बातचीत करेंगे ताकि भारत में खेलने की परिस्थितियों को बेहतर समझ सकें। उन्होंने कहा, भारत में पिचें, मौसम और दबाव अलग होते हैं। केन ने जिस तरह अपनी टीम को सफलता दिलाई, वह काबिले तारीफ़ है। उनसे सीखने का यह सही मौका है। दक्षिण अफ्रीका को भारत से पहले पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ खेलनी है। बावुमा ने कहा कि वह इस सीरीज़ को लय बनाने का मौका मानते हैं।

शुभमन गिल टेस्ट की तरह ही वनडे में बतौर कप्तान सफल होंगे - हरभजन सिंह

जालंधर, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि शुभमन गिल इंग्लैंड दौरे के दौरान बतौर कप्तान शानदार दिखे थे। उम्मीद है कि वनडे फॉर्मेट में भी वह समान सफलता हासिल करेंगे। शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ मुश्किल सीरीज में बतौर कप्तान निखर कर सामने आए थे। मुश्किल समय में गिल ने अपनी क्षमता दिखाई। मैं उन्हें वनडे फॉर्मेट का कप्तान बनने की शुभकामना देता हूं और उम्मीद करता हूं कि टेस्ट की सफलता वह वनडे में भी दोहराएंगे। गिल को कप्तान बनाए जाने के बाद हरभजन सिंह ने कहा था, शुभमन गिल को कप्तान बनाए जाने से खुश हूं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2027 वनडे विश्व कप को देखते हुए गिल को वनडे फॉर्मेट का कप्तान बनाने का फैसला लिया है। ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली भी शामिल हैं। गिल को कप्तानी में रोहित शर्मा से काफी मदद मिलेगी।

हालांकि, हरभजन ने अपनी त्वरित प्रतिक्रिया में ये भी कहा था कि रोहित को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिर्फ खिलाड़ी के रूप में देखना चौंकाने वाला है। उन्होंने कप्तान के रूप में आखिरी सीरीज में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी का विजेता बनाया था।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बावजूद हो रहे मैच पर हरभजन सिंह ने कहा, 卐दोनों देशों की सरकारें चाहती हैं कि क्रिकेट हो, तो क्रिकेट हो रही है। अच्छी बात यह है कि भारतीय टीम जीत रही है। एशिया कप में भारत ने एक नहीं, तीन बार पाकिस्तान को हराया। हम जितनी बार जितेंगे, हमारे लिए अच्छा होगा। एशिया कप का खिताब भारतीय टीम को न मिलने पर हरभजन सिंह ने कहा, हम एशिया कप जीतने गए थे, जीत गए। जीत सबसे ज्यादा मायने रखती है। खिताब तो मिल ही जाएगा।

त्योहारी सीजन आते ही मिलावटखोरी शुरू

शिकायत पर खाद्य विभाग ने सैंपल लिए,परीक्षण में काली पड़ी मिठाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अगर आप भी मिठाई खाने के शौकीन है तो सावधान हो जाइए चूंकि बाजार में बिकने वाली मिठाई जानलेवा भी साबित हो सकती है। रीवा में खाद्य पदार्थ और मिठाइयों में मिलावट की शिकायत के बाद कई दुकानों के सैंपल लिए गए। त्योहार के नजदीक आते ही प्रशासन ने भी मिठाई में होने वाली मिलावट पर सख्ती दिखानी शुरू कर दी है।

दरअसल दीपावली के त्योहार को देखते हुए रीवा कलेक्टर के निर्देश पर मिष्ठान और डेरी में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की जांच शुरू की गई है।

मिठाइयों में केमिकल की मात्रा ज्यादा मिली: खाद्य और औषधि विभाग के द्वारा की गई शुरुआती कार्यवाही में ही कई, मिष्ठान एवं डेरी की दुकानों में दूषित खाद्य सामग्री बरामद हुई। बता दे कि यहां जिन मिठाइयों का निर्माण किया जा रहा था, उसमें केमिकल की मात्रा पाई गई। फिलहाल कार्यवाही के दौरान विभाग के द्वारा कई प्रतिष्ठानों से सैंपल जब्त किए गए हैं। जिन्हें परीक्षण के लिए लैब भेजा गया है।

फूड विभाग के द्वारा फूड सेफ्टी वैन के साथ कार्यवाही की जा रही है, जहां मौके पर ही प्राथमिक निरीक्षण के दौरान केमिकल का उपयोग पाया गया।

मिलावट से सेहत को नुकसान: रीवा रेलवे स्टेशन के समीप से शुरू हुई कार्यवाही के बाद अब मिष्ठान व्यापारियों में हड़कंप की स्थिति निर्मित है। हालांकि लोगों को सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि हर खुशी के पल में मीठे का स्वाद केमिकल और मिलावट की वजह से सेहत के लिए जहर साबित हो सकता है। इस दौरान खाद्य निरीक्षक अमरीश दुबे ने बताया कि बीते दिनों कई प्रतिष्ठानों के सैंपल लिए गए थे, जिसमें मिलावटखोरी पाई गई थी, जिनके प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं। इसी क्रम में लगातार कार्यवाही जारी है।

जुर्माना देकर छूट जाते हैं, फिर शुरू करते हैं मिलावटखोरी: बताया जा रहा है कि ऐसे व्यापारियों पर कठोर कार्रवाई ना होने के कारण मिलावटखोरी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। मिलावटखोरी करने वाले व्यापारी कुछ जुर्माना देकर छूट जाते हैं, जिसके कारण दोबारा इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल के द्वारा दीपावली का समय नजदीक आते ही एक बार फिर ऐसे प्रतिष्ठानों की जांच करने के निर्देश जारी किए गए हैं जहां मिठाइयां या दूध से बनी सामग्री मिलावट कर बेची जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक रीवा के कुछ बड़े और नामी व्यापारी ही बाहर से नकली मावा मंगाकर लोगों को मिठाई की जगह जहर परोस रहे हैं। निरीक्षक अमरीश दुबे ने बताया कि बाहर से आने वाले मावा पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। हालांकि इस बार मिलावटखोरी पर कोई कड़ी कार्यवाही होती है या फिर केवल सैंपलिंग की औपचारिकता ही की जाएगी, यह तो आने वाला वक्त बताएगा।

सुपर स्पेशलिटी में हार्ट स्टंट गुणवत्ता विहीन, हो जांच : कुंवर सिंह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष और किसान नेता कुंवर सिंह पटेल ने आरोप लगाते हुए कहा है कि रीवा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल से लेकर पूरे मध्यप्रदेश के अस्पतालों में हार्ट सर्जरी में उपयोग होने वाले स्टंट और अन्य उपकरणों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि क्या ये उपकरण दवाइयों की तरह नकली तो नहीं हैं और क्या इनकी गुणवत्ता की जांच की जा रही है।

कुंवर सिंह ने कहा कि जिस गति से हार्ट स्टंट मरीजों में डाले जा रहे हैं, उससे यह प्रतीत होता है कि कहीं इसमें कमीशन शामिल है। उन्होंने बताया कि जितना अधिक ऑपरेशन होगा, आयुष्मान योजना के तहत डॉक्टरों को उतना ही इन्सेंटिव के रूप में अतिरिक्त राशि मिलती है, जो कई लाखों रुपए में होती है।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार सब कुछ सरकारी अस्पताल के नियम कानून से चला रही है, तो फिर इस तरह की कमीशन प्रणाली क्यों चल रही है। कुंवर सिंह ने मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्री से अनुरोध किया कि उन्हें इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के समय में हर सीने के दर्द को हार्ट अटैक से जोड़कर गुमराह किया जा रहा है। मरीजों को जागरूक करना चाहिए, न कि हर मरीज को स्टंट डालकर आयुष्मान योजना के कमीशन का खेल खेलना चाहिए। कुंवर सिंह ने चेतावनी दी कि यदि इसी तरह की कमीशन व्यवस्था जारी रही, तो कांग्रेस पार्टी सदन से सड़क तक लड़ाई लड़ेगी।

भावांतर योजना सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए लाभप्रद है : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा है कि भावांतर योजना किसानों के लिए अत्यंत लाभप्रद है। इस योजना में एफएक्यू मानक अनुसार किसान की जितनी उपज है सरकार उसको भावांतर योजनान्तर्गत लाभ प्रदान करेगी। कलेक्टर ने कहा कि किसान अपने सोयाबीन के रकबे और उत्पादकता के आधार पर मंडी में सोयाबीन का भावांतर योजना में लाभ प्राप्त कर सकेंगे। राज्य शासन द्वारा किसान के रकबे और उत्पादकता के आधार पर उपज को मंडी में योजना के तहत लाभ प्रदान किया जाएगा। इससे अधिक मात्रा पर भी राज्य शासन द्वारा भावांतर की राशि कृषकों को उनके खाते में प्रदान की जाएगी।

कलेक्ट्रेट ने कहा है कि सोयाबीन का घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा राज्य के मण्डी के मॉडल भाव विक्रय के मूल्य की अंतर की राशि कृषकों को मिलेगी। किसान द्वारा ई पोर्टल पर पंजीयन 17 अक्टूबर तक किया जा सकता है। किसान अपनी उपज मण्डी में बेचेंगे और एमएसपी एवं मण्डी के मॉडल भाव/विक्रय मूल्य के बीच के अंतर की राशि किसान को डीबीटी के माध्यम से भुगतान की जाएगी।

किसान इस योजना का लाभ 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक मण्डी में अपनी फसल विक्रय करके ले सकेंगे। कलेक्टर ने बताया कि खुली नीलामी कैमरे की निगरानी में होगी तथा जिला प्रशासन का प्रतिनिधि उपस्थित रहेगा। विक्रय मूल्य, एमएसपी और मण्डी मॉडल भाव दोनों से कम होने पर मॉडल भाव एवं एमएसपी की अंतर की राशि किसान को प्रदान की जाएगी। कलेक्टर ने उप संचालक कृषि तथा मण्डी सचिव को भावांतर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा पात्र किसानों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए हैं।

किसान संघर्ष समिति चलाएगी सघन सदस्यता अभियान, अधीक्षण यंत्री कार्यालय में 16 को धरना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसान संघर्ष समिति की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष फौजी यदुवंश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में ऋतुराज पार्क रीवा में संपन्न हुई बैठक में संगठन का सघन सदस्यता अभियान चलाए जाने का निर्णय लिया गया तथा किसानों के ज्वलंत मुद्दों को लेकर लड़ाई का ऐलान किया गया साथ ही आगामी 16 अक्टूबर को राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के आवाहन पर संगठन के साथी बिजली विभाग की समस्याओं को लेकर विवेकानंद पार्क से सुबह 11:00 बजे मोटरसाइकिल रैली के माध्यम से अधीक्षण यंत्री कार्यालय पहुंचकर धरना ज्ञापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। बैठक में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट शिव सिंह कार्यकारी

प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ कौशल प्रांत के अध्यक्ष सोभनाथ कुशवाहा अरुण पटेल तथा संगठन के प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल संभागीय संयोजक एडवोकेट पुष्पेंद्र सिंह सचिव अनिल मिश्रा जय सिंह राजेश्वर तिवारी भारत कुशवाहा मोहम्मद तौहीद उपेंद्र सिंह रामलाल साकेत वीरेंद्र सिंह मंधीर सिंह आदि शामिल रहे । साथ ही ब्लॉक अध्यक्ष सेमरिया राजेश्वर तिवारी को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

अस्पताल की 5वीं मंजिल पर सुसाइड करने पहुंची युवती, बाउंड्री वॉल पर बैठी लड़की को गार्ड ने बातों में उलझाकर बचाया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक युवती ने अस्पताल की पांच मंजिला इमारत से कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की। वह बिल्डिंग की सबसे ऊपरी मंजिल पर पहुंची और बाउंड्री वॉल पर जाकर बैठ गई। इसी बीच नीचे खड़े किसी शख्स की नजर उस पर पड़ी। उसने शोर मचाया। गार्ड्स ने तुरंत छत की तरफ दौड़ लगाई और युवती के नीचे कूदने से पहले ही उसे पकड़ लिया।

मामला मंगलवार शाम को रीवा शहर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का है। युवती कौन है और उसने आत्महत्या की कोशिश क्यों की, इस बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। अस्पताल प्रबंधन ने भी इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इस पूरी घटना का

वीडियो भी सामने आया है, जिसे मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने मोबाइल से बनाया है।

बाउंड्री वॉल पर युवती को देखकर मचा हड़कंप: मंगलवार शाम करीब 6 बजे सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में मौजूद लोगों ने छत की बाउंड्री वॉल पर एक युवती को बैठे देखा। वह चिल्लाया तो बाकी लोगों का ध्यान भी ऊपर की तरफ गया। वे शोर मचाने लगे। युवती से कहने लगे कि नीचे मत कूदना। शोर सुनकर गेट पर मौजूद गार्ड अलर्ट हुआ। उसने अपनी टीम को खबर की। टीम के सदस्य छत की तरफ दौड़े।

सुरक्षाकर्मियों की फुर्ती से बची जान: छत पर पहुंचकर सुरक्षाकर्मियों ने युवती से बातचीत करने की कोशिश की। उसे समझाइश दी। एक ने उसे बातों में उलझाया। युवती का ध्यान बंटा देखकर बाकी गार्ड्स ने फुर्ती दिखाई और उसे पकड़कर लिया। टीम उसे सुरक्षित नीचे उतार लाई।

वरिष्ठजनों की जांच के लिए शिविरों का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा अटल वयों अभ्युदय योजनान्तर्गत बुजुर्गों को कृत्रिम अंग प्रदान करने के लिए जाँच शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविर में कृत्रिम अंग के लिए पात्र पाए गए बुजुर्गों को भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम तथा एलिम्को संस्था द्वारा निःशुल्क कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जाएंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा संबंधित जनपद के सीईओ को शिविर के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी कृत्रिम अंग के लिए पात्र बुजुर्गों का चिन्हांकन करके उन्हें शिविर से लाभान्वित कराएं।

संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने बताया कि 13 अक्टूबर को विधि महाविद्यालय रीवा में आयोजित शिविर में नगर निगम रीवा, नगर परिषद गोविंदगढ़, सिरमौर, सेमरिया एवं बैकुंठपुर सहित जनपद रीवा एवं सिरमौर के वरिष्ठजनों की जांच की जायेगी।

जबकि 14 अक्टूबर को जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान सभागार में आयोजित शिविर में नगरीय निकाय मनगवां एवं गुढ़ तथा जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान एवं गंगेव, 15 अक्टूबर को जनपद पंचायत मऊगंज में नगरीय निकाय नईगढी, हनुमना एवं मऊगंज सहित जनपद नईगढ़ी, हनुमना एवं मऊगंज के वृद्धजनों और 16 अक्टूबर को जनपद पंचायत त्योंथर में आयोजित शिविर में नगरीय निकाय त्योंथर, चाकघाट, डभौरा सहित जनपद पंचायत जवा एवं त्योंथर के दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदाय करने हेतु वृद्धजनों की जांच होगी।

रास्ते की मांग को लेकर अपनी ही सरकार के खिलाफ आमरण अनशन पर बैठे भाजपा नेता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रास्ते सहित अन्य मांगों को लेकर अफसरशाही के खिलाफ भाजपा पिछड़ा वर्ग जिला कार्यसमिति के सदस्य रमाकांत यादव ने अतरैला में वन विभाग कार्यालय के सामने आमरण अनशन शुरू कर दिया है। उनका आरोप है कि कई वर्षों से रास्ते के लिए शासन प्रशासन, सांसद रीवा, विधायक सिरमौर, वन विभाग अतरैला, तहसील कार्यालय जवा और जिला कलेक्टर रीवा तक को आवेदन और निवेदन कर चुके हैं, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।

रमाकांत यादव ने कहा कि रास्ते नहीं होने से निकलना मुश्किल हो गया है। पूरे रास्ते को पड़ोसियों द्वारा कांटेदार तार से बंद कर दिया गया है, जिससे बच्चे सहित घर का कोई भी सदस्य बाहर नहीं निकल पा रहा है। पड़ोसी आए दिन गाली-गलौज और मारपीट पर उतारू हो रहे हैं।

रास्ते बंद होने से घरवालों को नित्यक्रिया करने में समस्या आ रही है। उन्होंने कहा कि लगातार सांसद, विधायक और प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। इससे परेशान होकर उन्होंने आमरण अनशन का निर्णय लिया है।

रमाकांत यादव ने सवाल उठाया कि जब अपनी सरकार में ही नेताओं की नहीं सुनी जा रही है, तो आम जनता की कौन सुनेगा? उनकी मांगों में कोनी पंचायत के बुचांगड़ा टोला से अतिक्रमण हटाकर सड़क बनाई जाए, 2 ग्राम कोनी में जर्जर बिजली केबल को बदला जाए, मनमानी बिजली बिलों में सुधार किया जाए, और अधिकारियों की मनमानी पर लगाम लगाई जाए।

हनुमना पुलिस ने हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार किए, एक सप्ताह पूर्व मारपीट में घायल वृद्ध की हुई थी मौत

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के हनुमना थाना क्षेत्र में एक सप्ताह पूर्व हुए मारपीट के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना में घायल एक वृद्ध की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। हनुमना थाना प्रभारी अनिल काकड़े के अनुसार, 30 सितंबर 2025 को ग्राम कोन निवासी सोहनलाल कुशवाहा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि जब वे अपने खेत की जुताई कर रहे थे, तब गांव के चिंतामणि पाठक ने खेत के रास्ते को लेकर विवाद किया। इसी विवाद के चलते चिंतामणि पाठक, शिवेंद्र पाठक, रामायण पाठक, शिवाकांत पाठक और शांतिशंकर पाठक ने सोहनलाल, उनके पिता छोटेलाल कुशवाहा और भाई कृष्णा कुशवाहा पर लाठी, डंडा और टांगी से हमला कर दिया।

हमले में छोटेलाल कुशवाहा को सिर में गंभीर चोटें आईं।

छोटेलाल कुशवाहा को हनुमना सीएचसी से रीवा रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए हनुमना थाने में धारा 296, 118(1), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान इसमें धारा 118(2) और 103(1) भी जोड़ी गईं। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। बुधवार को पुलिस ने दो आरोपी रामायण प्रसाद पाठक (57 वर्ष) और शांतिशंकर पाठक (42 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम कोन, को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मऊगंज दिलीप सोनी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह और एसडीओपी सची पाठक के मार्गदर्शन में की गई। इस सफल गिरफ्तारी में थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल काकड़े सहित उपनिरीक्षक गुलाब वर्मा, यू.बी. सिंह, दिव्या उपाध्याय, सउनि सतेन्द्र सिंह चौहान, आरक्षक अभिषेक मिश्रा, विवेक यादव, सूरज तिवारी, मुकेश यादव, शोभित सिंह, म.आर. सीमा मिश्रा, चालक पुष्पराज बागरी और साइबर सेल मऊगंज के भावेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महिला सशक्तिकरण के प्रति बालिकाओं में जागरूकता बढ़ाने हेतु विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमन एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बदरांव में महिला सशक्तिकरण, बालिकाओं के अधिकार एवं शासन की योजनाओं के प्रति जागरूकता लाने हेतु एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय की बालिकाओं, शिक्षिकाओं एवं वन स्टॉप सेंटर के स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता, लैंगिक समानता एवं शासन द्वारा महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग होकर समाज में सशक्त भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. जैन ने छात्राओं को महिला सशक्तिकरण की महत्ता बताते हुए कहा कि आज की बालिकाएँ भविष्य की राष्ट्र निर्माता हैं। उन्हें शिक्षा के माध्यम से न केवल अपने जीवन को संवारना है, बल्कि समाज में समानता और सशक्तिकरण की दिशा में भी अग्रसर होना है। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती श्रुति मिश्रा ने बालिकाओं को विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने छात्राओं को बताया कि महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, निर्णय लेने की क्षमता और सामाजिक समानता में भागीदारी से जुड़ा हुआ है। कार्यक्रम में सृजनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन देने हेतु रंगोली, मेंहदी एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी विजेता छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती नेहा, तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के वन स्टॉप सेंटर स्टाफ सदस्य एवं कु. रेखा चतुर्वेदी एवं श्रीमती सलमा द्वारा सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया। सभी उपस्थितजनों ने बालिकाओं के आत्मविश्वास एवं सृजनात्मकता की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने यह संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में शिक्षा, आत्मनिर्भरता, सम्मान और समानता के मूल्यों को अपनाते हुए समाज में एक सशक्त पहचान स्थापित करेंगी।

मीडिएशन फॉर द नेशन के विशेष अभियान में 171 मामलों का हुआ निराकरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मीडिएशन एंड कंसिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी एवं म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में विशेष अखिल भारतीय अभियान मीडिएशन फार द नेशन का शुभारंभ एक जुलाई 2025 को हुआ था। 30 सितम्बर 2025 तक 90 दिवसीय विशेष अभियान के तहत जिले में 171 मामलों का निपटारा किया गया । जिला विधिक सहायता अधिकारी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य देशभर में न्यायपालिका के सभी स्तरों, तालुका न्यायालयों से लेकर उच्च न्यायालयों तक लंबित मामलों को आपसी समझौते और समाधान की भावना से निपटाना है। मध्यप्रदेश में यह अभियान उच्च न्यायालय के मुख्य प्राधिकरण मुख्य संरक्षक संजीव सचदेवा की प्रेरणा और कार्यकारी अध्यक्ष अतुल श्रीधरन के निर्देशन में संचालित किया गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।